दैनिक

मिशन नेशनल न्यूज

MNN Mission of Truth

TITLE CODE.: UTTHIN05386

हिन्दी अखबार

प्रसारित स्थान : उत्तराखण्ड ● प्रयागराज ● मथुरा ● बिजनौर ● सहारनपुर ● मुजफ्फरनगर ● मेरठ ● गाजियाबाद

वेबसाइट पढ़े: www.missionnationalnews.com

वर्ष-2 अंक-344 पृष्ठ-8 : मूल्य : 1 रुपये

हरिद्वार, बुधवार , 11 दिसंबर 2024

बंगलादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में हिन्दू समाज का आक्रोश मार्च ऋषिकुल से हरकी पैड़ी तक

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार। - बंगलादेश में हिंदुओं पर बढ़ते अत्याचारों के विरोध में आज एक विशाल आक्रोश मार्च का आयोजन किया गया। यह मार्च ऋषिकुल से हरकी पैड़ी तक आयोजित किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में स्थानीय हिंदू समाज के लोग शामिल हुए। मार्च का उद्देश्य बंगलादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे हिंसा, दुर्व्यवहार और धार्मिक भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाना था।

पैदल की शुरूआत ऋषिकुल से दोपहर 1 बजे हुई, मानवाधिकार मंच के तत्वाधान में सन्तों के नेतृत्व में स्थानीय संगठनों के कार्यकर्ताओं ने एकत्र होकर बंगलादेश की स्थिति के बारे में प्रबुद्ध समुदाय के लोगों को संबोधित किया। मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों ने विभिन्न बैनर और पोस्टर लिए हुए थे, जिन पर बांग्लादेशी हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचारों की तस्वीरें और सूचनाएं थीं। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से बंगलादेश में हिंदुओं पर हमले, उनकी धार्मिक स्थलों पर हमलों की घटनाएँ तेजी से बढ़ी हैं। इन घटनाओं ने भारतीय हिंदू समुदाय में चिंता और गुस्सा पैदा कर दिया है।

इस अवसर पर हिंदू महापुरुषों के प्रतीकों और झंडों के साथ उपस्थित लोगों ने ₹हिंदू एकता जिंदाबाद₹ और ₹बंगलादेश में हिंदुओं को न्याय दो₹ जैसे नारे लगाए।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविन्द्र पुरी महाराज ने कहा कि बंगलादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचार और दमन को अब और सहन नहीं किया जा सकता। ₹हम अपने भाइयों और बहनों के लिए खड़े हैं, जो बंगलादेश में एक असुरक्षित स्थिति का सामना कर रहे हैं। हम भारत सरकार से अपील करते हैं कि वे इस मुद्दे को गंभीरता से लें और बंगलादेश में धार्मिक भेदभाव के खिलाफ कठोर कदम उठाएं,।

आरएसएस के क्षेत्र प्रचार प्रमुख पदम जी ने

कहा कि बंगलादेश सरकार को चाहिए कि वे अपने देश में धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करें और हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करें। ₹धर्म परिवर्तन, जबरदस्ती के विवाह और हिंदुओं की संपत्ति पर कब्जा करने की घटनाएं बंगलादेश के अल्पसंख्यक समुदाय के लिए असहनीय हो गई हैं।

हरकी पैड़ी पर पहुंचने पर योगऋषि बाबा रामदेव ने कहा कि बंगलादेश में कट्टरपंथी हिन्दू अल्पसंख्यको को टारगेट कर उन पर अत्याचार कर रहे है। इस स्थित में यूएनओ को चाहिए कि वह शांति सेना बंगालदेश में भेज कर वह हिन्दू अल्पसंख्यक जनता के मानवाधिकारो की रक्षा करें।

सभा में उपस्थित लोगों ने एकजुटता के प्रतीक स्वरूप एक एकत्रित संकल्प लिया। ₹हम सभी मिलकर यह प्रतिज्ञा करते हैं कि हम अपने बंगलादेशी भाइयों और बहनों के लिए आवाज उठाते रहेंगे, और उनकी सुरक्षा के लिए संघर्ष करते रहेंगे,₹।

इस कार्यक्रम के अंत में, सभी ने एकत्रित होकर संकल्प लिया कि वे इस मुद्दे को आगे बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे। उन्होंने सभी से अपील की कि वे इस विषय पर ध्यान दें और हिंदू समुदाय की आवाज सुनें। कार्यक्रम का संचालन सीए अनिल वर्मा ने किया। हर की पैड़ी पर महामहिम राष्ट्रपति व यूएनओ के नाम जिलाधिकारी के माध्यम से एसडीएम अजयवीर सिंह को ज्ञापन सौंपा गया।

इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी यतीन्द्रानन्द गिरी, महामंडलेश्वर रूपेंद्र प्रकाश महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी प्रबोधानन्द, स्वामी विष्णुदास, बाबा हठयोगी, स्वामी मानदास, स्वामी प्रेमस्वरूप, स्वामी रविदेव शास्त्री, महंत रघुवीर दास, महंत ऋषिश्वरानन्द, महंत लोकेंद्र दास, महंत गंगा दास, किन्नर समाज से गुंजन बुआ के साथ ही शिक्षा मंत्री डॉ. धनसिंह रावत, पूर्व मंत्री व नगर विधायक मदन कौशिक, विधायक आदेश चौहान, पूर्व विधायक सजंय गुप्ता, सुरेश राठौड़, श्रीगंगा सभा

अध्यक्ष नितिन गौतम, महामंत्री तन्मय वशिष्ठ, श्रीपरशुराम अखाड़े के अधीर कौशिक, मानवाधिकार मंच के संयोजक डॉ. यतीन्द्र नाग्यान, डॉ. अनुराग, बलदेव रावत, अनिल गुप्ता, अमित शर्मा आदि मुख्य रूप से थे।

बेस्ट बस हादसा, मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 7, वारिसों को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता

मुंबई,

मुंबई के कुर्ला इलाके में सोमवार रात हुए बेस्ट बस हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 7 हो गई है। जबकि 42 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। जिस वक्त यह हादसा हुआ उस वक्त बस में करीब 60 यात्री सफर कर रहे थे। इस बीच मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने घोषणा की है कि इस हादसे में मृतकों के वारिसों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। बता दें कि सोमवार रात करीब 9.35 बजे, कुर्ला पश्चिम में अंजुम-ए-इस्लाम स्कूल के पास एसजी बारवे रोड पर एक तेज रफ्तार बस ने कई गाड़ियों को टक्कर मार दी, जिससे निर्दोष नागरिक कुचल गए। कुछ ही देर में हुए इस हादसे से वहां हड़कंप मच गया, सामने मौत को करवटें लेती हुई देख लोग डर गए और अपनी जान बचाने के लिए इधर उधर भागने लगे। कुछ देर तक वहां अफरातफरी का माहौल रहा। इस दरम्यान बस ने 100 मीटर के दायरे में 30 से 40 वाहनों को टक्कर मार दी, जिससे लोग कुचलते चले गए। घायलों का इलाज भाभा अस्पताल, सिटी अस्पताल, कोहिनूर अस्पताल, सेवन हिल्स अस्पताल, हबीब अस्पताल, सायन अस्पताल, फौजिया अस्पताल, कुर्ला नर्सिंग होम जैसे विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। अबतक 7 लोगों की मौत होने की पुष्टि की जा चुकी है और मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

*** बस चालक को बस चलाने का नहीं था अनुभव**

कुर्ला पुलिस ने बस हादसे की गहन जांच शुरू कर दी है। इस मामले में पुलिस के मुताबिक, कुर्ला में हुए हादसे में जो ड्राइवर बस चला रहा था, उसे बस चलाने का महज दस दिन का अनुभव था। वह एक दिसंबर को संविदा (ठेका) चालक के तौर पर काम पर आया था। यह बात सामने आई है कि उसने कल पहली बार बेस्ट बस चलाई। इसके अलावा संजय मोरे छोटी कार चलाता था। जांच में यह भी पता चला कि उसे बड़ी गाड़ियां चलाने का कोई अनुभव नहीं था। इस हादसे के बाद अनुमान लगाया गया कि बस में तकनीकी खराबी रही होगी और ड्राइवर नशे में रहा होगा। लेकिन पुलिस जांच में ये बात सामने आई है कि उस बस में कोई तकनीकी खराबी नहीं थी। यह भी बताया गया है कि बस चालक शराब नहीं पी रखा था।

*** मृतकों के वारिसों को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता**

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने बेस्ट बस दुर्घटना में कुछ लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि हम उनके परिवारों के दुख में शामिल हैं।

विपक्ष के नेताओं का आचरण संसदीय मर्यादाओं के अनुरूप नहीं ओम बिरला

लोकसआ अध्यक्ष ओम बिरला सत्ता पक्ष और विपक्ष पर जमकर बरसे

नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को संसद में रोज हो रहे हंगामे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष को जमकर बरसे। उन्होंने बिना नाम लिए राहुल गांधी पर निशाना साधा। बिरला ने कहा कि मुझे अफसोस है कि विपक्ष के नेताओं का आचरण संसदीय मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष हो सभी दल के लोग संसद की गरिमा, परंपरा और मयार्दा को बनाए रखें। ओम बिरला ने कहा कि संसद एक पवित्र स्थल है। इस भवन की उच्च गरिमा, प्रतिष्ठा और मयार्दा है। बिरला ने कहा कि मर्यादित गरिमा आचरण रखेंगे तो जनता में अच्छा संदेश जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के मंदिर के प्रति लोगों की आस्था है। जो भी विषय और मुद्दे हैं आप आकर चर्चा करें। सत्ता पक्ष और विपक्ष आपस में चर्चा करें। बता दें कि राहुल गांधी पिछले दो दिन से संसद भवन परिसर में मोदी-अडानी के मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे हैं।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि

प्रश्न काल एक अहम समय होता है। उन्होंने कहा कि संसद एक पवित्र स्थल और इसकी प्रतिष्ठा एवं मयार्दा है। उन्होंने कहा कि इस भवन में हमने आजादी हासिल की है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, संसद में देश की आकांक्षाओं, अपेक्षाओं को पूरा किया जाता है, सहमति, असहमति हमारे लोकतंत्र की परंपरा है। जो संविधान बनते समय भी हमने अभिव्यक्त किया। बिरला ने बिना नाम लिए कहा कि कुछ विपक्षी नेताओं का आचरण सही नहीं है।

गौरतलब है कि राहुल गांधी अडानी मुद्दे को लेकर लगातार पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी सरकार को घेर रहे हैं। वहीं, सत्ता पक्ष ने जॉर्ज सोरोस के मुद्दे पर सोनिया गांधी पर निशाना साध रखा है। ऐसे में नाराज ओम बिरला ने मंगलवार को सत्ता पक्ष और विपक्ष से सदन चलाने का आग्रह किया।

प्रियंका गांधी आज मोदी-अडानी भाई-भाई लिखा बैग लेकर पहुंचीं संसद, राहुल बोले-क्यूट

प्रियंका ने कहा- हम सदन की कार्यवाही चाहते हैं, सरकार चर्चा ही नहीं करना चाहती

नई दिल्ली,

। संसद के शीतकालीन सत्र में गौतम अडानी को लेकर विपक्ष का हंगामा लगातार जारी है। इसी बीच, मंगलवार को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी मोदी अडानी भाई-भाई लिखा बैग लेकर संसद पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि सदन की कार्यवाही नहीं चल पा रही है। हम डिबेट में भाग नहीं ले पा रहे हैं।

प्रियंका गांधी के इस बैग को दिखाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि ये काफी क्यूट है। बैग में एक तरफ मोदी तो दूसरी ओर अडानी की तस्वीर है।

बैग पर लिखा है कि मोदी अडानी भाई भाई...वहीं इस दौरान प्रियंका गांधी ने कहा कि हम लोग सदन की कार्यवाही में भाग लेना चाहते हैं लेकिन सरकार चर्चा ही नहीं करना चाहती है। किसी न किसी बहाने से वह सदन की कार्यवाही को स्थगित कर रहे हैं।

इससे पहले सोमवार को भी विपक्ष ने अडानी मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरा था। राहुल गांधी रिपोर्टर के रोल में दिखे थे विपक्ष के दो सांसदों ने पीएम नरेंद्र मोदी और गौतम अडानी का मुखौटा लगाया और राहुल से बातचीत की थी। राहुल ने मोदी-अडानी के संबंध, अमित शाह की भूमिका और संसद न चलने पर सवाल किए थे। इससे पहले संसद में जारी गतिरोध को खत्म करने के लिए सोमवार को सत्तारूढ़ बीजेपी और विपक्षी दलों के बीच सहमति बनी थी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भरोसा जताया था कि लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही मंगलवार से सुचारू रूप से चलेगी। लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने कई दलों के फ्लोर नेताओं के साथ बैठक की, जिसमें यह सहमति बनी थी।

संक्षिप्त समाचार

बर्फबारी का दिखने लगा असर, कई राज्यों में ठंड बढ़ने के साथ चलने लगी शीतलहर

नई दिल्ली

हिमालय के ऊपरी इलाकों में हुई बर्फबारी का असर मैदानी राज्यों तक पहुंच गया है। जम्मू कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में पिछले चार दिन से हो रही बर्फबारी के बाद ठंड बढ़ गई है। मंगलवार को बफीर्ली हवाओं के असर से सौराष्ट्र, कच्छ, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, राजस्थान, यूपी, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड में शीतलहर चल रही है।

वहीं हिमाचल प्रदेश, यूपी, बिहार, झारखंड, बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में घना कोहरा छाया हुआ है। सोमवार को श्रीनगर में इस मौसम का सबसे कम तापमान -5.4त्दर्ज किया गया, जबकि सोनमर्ग -9.7त्के साथ सबसे ठंडा रहा। गुलमर्ग में पारा -9.0त सेल्सियस दर्ज किया गया। उत्तराखंड के केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम में सोमवार को बर्फबारी हुई। इसके बाद राज्य सकरार ने दोनों जगह चल रहे विकास कार्य रोक दिए। दक्षिण भारत में एक बार फिर बारिश का अलर्ट जारी किया है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कर्नाटक में मंगलवार को तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एसएम कृष्णा का निधन, पीएम मोदी सहित कई दिग्गजों ने शोक व्यक्त किया

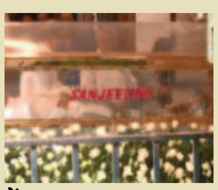

बेंगलुरु

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ राजनेता एसएम कृष्णा का मंगलवार सुबह उनके बेंगलुरु स्थित आवास पर निधन हो गया। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई दिग्गजों ने शोक व्यक्त किया है। बता दें कि 92 वर्षीय एसएम कृष्णा लंबे समय से बीमार थे। परिवार ने जानकारी दी कि उन्होंने रात 2 बजकर 45 मिनट पर अंतिम सांस ली। उनके परिवार में पत्नी प्रेमा और दो बेटियां शांभवी एवं मालविका हैं। उनके निधन से कर्नाटक और भारतीय राजनीति में गहरा शोक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एसएम कृष्णा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वे एक कद्दावर नेता थे, जिन्होंने देश और कर्नाटक के विकास में अहम योगदान दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल को बुनियादी ढांचे के विकास और तकनीकी दृष्टिकोण के लिए याद किया जाएगा। वे एक विचारक और प्रेरणादायक नेता थे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी शोक व्यक्त करते हुए कहा कि कृष्णा का योगदान बेंगलुरु को टेक्नोलॉजी हब बनाने में अमूल्य था। राहुल गांधी ने कहा, कर्नाटक के विकास और आईटी क्षेत्र के विस्तार में उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।

संपादकीय

अपनों का कत्ल

यूं तो हर रोज कई ऐसी खबरें विचलित करती हैं, जिसमें इंसानी रिश्तों का कत्ल होता है। लेकिन कुछ घटनाएं इतनी हृदयविदारक व वीभत्स होती हैं कि हर संवेदनशील व्यक्ति दुख व करुणा से स्तब्ध रह जाता है। पिछले दिनों दिल्ली की उस घटना ने विचलित किया, जिसमें आक्रोशित युवक ने पिता,मां व बहन की हत्या गुस्से में आकर कर दी। वहीं शनिवार को हरियाणा के शाहबाद की उस घटना ने हर किसी को झकझोरा, जिसमें पैसे के लेन-देन को लेकर कुछ लोगों द्वारा उत्पीड़ित किए जाने पर एक व्यक्ति ने अपने माता-पिता, पत्नी की निर्मम हत्या करने के बाद खुदकुशी कर ली। उसने कोशिश तो अपने किशोर पुत्र की हत्या की भी की लेकिन संयोगवश वह बच गया। इस दिल दहला देने वाली घटना के बाद जो सुसाइड नोट मिला है, उसमें अपनों की हत्या करने वाले व्यक्ति ने आठ लोगों द्वारा रुपयों के लेन-देन के लिये उत्पीड़ित करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज भी किया है। अब भले ही हत्यारे व्यक्ति को रुपयों के लेन-देन को लेकर विकट स्थितियों का सामना करना पड़ रहा हो, लेकिन उसे इससे जन्म देने वाले माता-पिता व पत्नी की हत्या करने का अधिकार तो नहीं मिल जाता। आखिर उसके परिजनों का क्या कसूर था जिन्हें अकारण उसने मौत के घाट उतार दिया। दरअसल, ऐसे मामलों में अकसर देखने में आता है कि विकट परिस्थितियों में बेहद तनाव की स्थितियों से गुजर रहा व्यक्ति इतना हताश हो जाता है कि अपने प्रियजनों को किसी अपमानजनक स्थिति से बचाने के लिये उनकी जीवन लीला समाप्त करना अंतिम विकल्प समझ लेता है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि कई व्यक्ति वास्तविक आर्थिक स्थितियों का आकलन किए बिना ऐसे कदम उठा लेते हैं कि उसकी प्रतिपूर्ति करना मुश्किल हो जाता है। दरअसल संकट से गुजरते व्यक्ति में मुश्किल हालातों से मुकाबले का ऐसा धैर्य ही नहीं रहता है कि उससे उबारने का रास्ता खोज सके। ऐसे में मौत को गले लगाना ही उसे अंतिम विकल्प नजर आता है। दरअसल, हमारे समाज में आज महत्वाकांक्षाओं और भौतिक संसाधन जुटाने का इस कदर जुनून हावी है कि आसन्न संकट का आकलन किए बिना व्यक्ति कर्ज के जाल में फंस जाता है। वहीं दूसरी ओर हमारे समाज में आर्थिक लिप्साओं के उफान के दौर में लोग इतने संवेदनहीन हो चले हैं कि व्यक्ति की दुखती रग पर हाथ रखकर भयादोहन करने लगते हैं। निश्चित रूप से ये विकट स्थितियां मानवीय मूल्यों के पराभव को भी दशार्ती हैं। शाहाबाद की हृदय विदारक घटना के लिये जिन लोगों को दोषी बताया जा रहा है, उन्होंने भी इतना रहम नहीं दिखाया कि यह परिवार उजड़ने से बच जाए। चंद रुपयों को वसूलने के क्रम में लोग किस हद तक गिर सकते हैं, यह घटनाक्रम उसकी बानगी है। एक समय था कि लोग ऐसे संकट में फंसे व्यक्ति की मदद के लिये खड़े होते थे। हमारा सामाजिक स्वरूप ऐसा था कि गांव-मोहल्ले के लोग एक-दूसरे का दुख-दर्द बांट लेते थे। आज हर तरफ लोग पैसे के पीर बन गए हैं। शहरों में लोगों में ऐसी संवेदनशीलता नजर नहीं आती है कि दूसरे व्यक्ति या परिवार को संकट में फंसा देखकर आर्थिक संबल देकर या मनोबल बढ़ाकर उसे सांत्वना दें।

(चिंतन-मनन)

मन की तेज गति

नौका नदी के उस पार जा रही थी। अनेक व्यक्ति उस पर सवार थे। भार अधिक हो गया। नौका डगमगाने लगी। नाविक ने कहा - नौका डूब जाएगी। यदि सबको बचना है तो स्वयं को सुरक्षित रखते हुए अपना सारा सामान नदी में बहा दो, अन्यथा सामान के साथ-साथ प्राण भी जाएंगे। सबने अपने जीवन की सुरक्षा को महत्व देते हुए सामान नदी में डाल दिया। एक बनिये के पास तीन खाली डिब्बे और एक रूपयों से भरा डिब्बा था। उसने खाली डिब्बे पानी में डाल दिए। नाविक ने कहा - इस वजनी डिब्बे को डाल दो। बनिये ने रूपयों को ऍसे व्यर्थ बहाना उचित नहीं समझा। वह डिब्बे को साथ ले नदी में कूद पड़ा। नौका हल्की हो गई। पर वह बनिया उस डिब्बे के भार से दबकर डूब गया। यदि वह खाली डिब्बे के साथ कूदता तो संभव है बच जाता, पर भरे हुए डिब्बे ने उसे डुबो दिया।

कहने का अर्थ यह है कि लोगों का भरे हुए पर अधिक विश्वास है, खाली पर नहीं। काम में लगे रहते हैं तो समझते हैं भरे हुए हैं, समय का उपयोग हो रहा है। जब खाली होते हैं तब समझते हैं, आज तो समय व्यर्थ खो रहे हैं। लोग खाली रहना नहीं जानते और खाली रहने के समय का उपयोग करना भी नहीं जानते।

इंडिया गठबंधन में बढ़ती दरारें एवं मुश्किलें

-ललित गर्ग-

विपक्षी गठबंधन इंडिया की उलटी गिनती का क्रम रूकने का नाम नहीं ले रहे हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल से आ रही खबरों से साफ होता है कि इंडिया गठबंधन इंडिया में सब कुछ सही नहीं चल रहा। लगातार चुनावी नाकामियों से पैदा हुई बेचैनी गठजोड़ पर भारी पड़ रही है। एक-दूसरे के खिलाफ असंतोष, दोषारोपण और बयानबाजी विपक्ष एकता के लिए बिल्कुल भी शुभ संकेत नहीं, जो गठबंधन की मुश्किलें बढ़ाने का ही सबब है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रभावी प्रदर्शन एवं परिणामों के कारण ही वह अधिकारपूर्वक इंडिया का नेतृत्व अपने हाथों में लेकर गठबंधन की अगुआई करने में सक्षम हो पायी। लेकिन कांग्रेस की ओर से ऐसी कोई मजबूत एवं प्रभावी पहल बाद में हुए हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखण्ड, जम्मू-कश्मीर आदि प्रांतों के चुनावों में देखने को नहीं मिली, राज्यों के विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन का हिस्सा होते हुए भी पार्टियों ने अपनी क्षेत्रीय जरूरत को सर्वोपरि रखते हुए फैसले लिए जो गठबंधन की प्रतिबद्धताओं पर प्रश्न लगाती है। अडाणी मुद्दे को लेकर शीतकालीन संसद सत्र में इंडिया गठबंधन में दरार दिखने लगी है। अडानी के मुद्दें पर कांग्रेस और राहुल गांधी लगातार संसद में हंगामा कर रहे हैं, सदन की कार्यवाही नहीं चल पाई है। वहीं, अडानी के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के घटक दल समाजवादी पार्टी और टीएमसी कांग्रेस से अलग अपना रुख दिखाते हुए आम सहमति नहीं बना पा रहे हैं। वैसे भी ये दोनों दल ही 66 सांसदों के साथ गठबंधन के मजबूत आधार है।

निश्चित रूप से कांग्रेस के मुद्दों से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल ही कांग्रेस से दूरी बना रहे हैं। भाजपा जब कांग्रेस से मुकाबले में होती है तब उसका प्रदर्शन सबसे अच्छा रहता है। जबकि क्षेत्रीय नेताओं के मुकाबले राहुल का जादू फीका पड़ता है। इसके उदाहरण हैं झारखंड के हेमंत सोरेन का शानदार प्रदर्शन और बंगाल की ममता बनर्जी जिन्होंने उपचुनाव में सारी सीटें जीत ली। हरियाणा विधानसभा चुनावों में हमने देखा कि इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की बातचीत टूटने के बाद से कांग्रेस के जीत के सपनों को सेंध लगी थी और वहां भाजपा ने शानदार जीत हासिल करते हुए सरकार बनाने में कामयाब रही। महाराष्ट्र में भी इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। आप ने तो कांग्रेस से दूरी बनायी ही है, अन्य दल भी दूरियां बना रहे हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले ही कांग्रेस एवं आप के बीच सहमति नहीं पायी है। आप ने समझ लिया है कि गठबंधन से कांग्रेस को ही फायदा अधिक होता है। इस तरह गठबंधन के टूटन से भाजपा की निराशा के बादल कुछ सीमा तक पहले भी छंटते हुए दिखाई दिये हैं और दिल्ली में ही ऐसा होता हुआ दिख रहा है। कांग्रेस, आप एवं भाजपा के त्रिकोणीय संघर्ष का फायदा भाजपा को ही मिला है और आगे भी ऐसा ही होने की संभावनाएं है। महाराष्ट्र चुनाव में भी विपक्षी गठबंधन इंडिया बिखरा हुआ ही प्रतीत हुआ, सपा ने शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट से नाराजगी की बात कहते हुए महाविकास अघाड़ी गुट से नाता तोड़ा, भले इससे राज्य की सियासत पर असर न पड़ा हो, लेकिन इसके गहरे राजनीतिक मायने हैं। इसी तरह, तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का इंडिया को लीड करने की इच्छा जाहिर करना भी बहुत कुछ कहता है। इन दोनों की नाराजगी गठबंधन के नेतृत्व और इस तरह से सीधे कांग्रेस को लेकर है। विभिन्न राज्यों में जहां-जहां इंडिया गठबंधन दलों की सरकारें हैं, वे अडाणी जैसे मुद्दों से दूरी बनाना चाहते हैं। ममता बनर्जी ने जिस तरह यह कहा कि उनका दल कांग्रेस की ओर से उठाए गए किसी एक मुद्दे को प्राथमिकता नहीं देगा, उससे यही संकेत मिला कि वह नहीं चाहतीं कि अदाणी मामले को तूल दिया जाए। कांग्रेस को इसकी भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि गत दिवस ही माकपा के नेतृत्व वाली केरल सरकार ने बंदरगाह के विकास के लिए अदाणी समूह के साथ एक पूरक समझौते को अंतिम रूप दिया। साफ है कि माकपा भी अदाणी मामले में कांग्रेस के रुख से सहमत नहीं। तेलंगाना सरकार ने अदाणी समूह के साथ एक समझौता कर रखा है और अतीत में राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने भी राज्य में इस समूह के निवेश को हरी झंडी दी थी। आखिर राहुल गांधी इन स्थितियों को क्यों नहीं समझ एवं देख रहे हैं?

विपक्ष गठबंधन इंडिया में सबसे ज्यादा कमी आम सहमति की दिखाई देती है। सीटों से लेकर मुद्दों तक, सहयोगी दलों के बीच कहीं एकजुटता एवं आम सहमति नहीं दिखती। इसी शीतकालीन सत्र में अदाणी मामले पर कांग्रेस और टीएमसी ने अलग राह पकड़ ली। दरअसल, यह टकराव राष्ट्रीय राजनीति में फिर से मजबूत होने की कोशिश कर रही कांग्रेस और अपनी खोयी राजनीतिक जमीन को पाने के लिए लड़ रहीं क्षेत्रीय राजनीति की धुरंधर पार्टियों के बीच का ज्यादा है। देखा जाए तो समय-समय पर इस तरह की खबरें आती रही हैं, जो विपक्षी एकता के लिए चुनौती खड़ी कर देती हैं। कुछ अरसा पहले ही यूपी में उपचुनाव को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच जैसी असहज स्थिति बनी थी, वैसा सहयोगियों के बीच तो नहीं होता। महाराष्ट्र चुनाव के दौरान भी सहयोगी दलों में तालमेल की कमी होने की बात सामने आई थी। बंगाल में पहले ही कांग्रेस और टीएमसी एक-दूसरे के विरुद्ध हैं। इसी तरह, दिल्ली में आप और कांग्रेस में गठजोड़ नहीं है। यह कैसा गठबंधन है, जिसमें इतने अंतर्विरोध एवं असहमतियां हों। जहां पार्टियां आम चुनाव में साथ हों, लेकिन राज्यों के चुनाव में आमने-सामने। ऐसे में इन दलों के समर्थकों की उलझन की सहज की कल्पना की जा सकती है और इससे गठबंधन की मूल विचारधारा पर प्रश्न खड़े होने भी स्वाभाविक है। गठबंधन की सफलता के लिये नीति एवं नियत में एकजुटता जरूरी है। गठबंधन तभी सफलता से चलता है, जब सारे पक्ष थोड़ा-थोड़ा त्याग करें और किसी बड़े लक्ष्य को सामने रखे। क्षेत्रीय पार्टियों की बहुलता और अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग क्षेत्रीय पार्टियों की प्रधानता के चलते भी इस तरह के गठबंधन को लंबे समय तक चला पाना मुश्किल हो जाता है। चुनावी हार और सत्ता से बाहर होने की स्थिति में तो ऐसे गठबंधन को संभालना लगभग असंभव ही हो जाता है। ऐसी स्थितियों में क्या इंडिया गठबंधन के भविष्य पर धुंधलके छाने लगे है। क्या वह अंतिम सांसें गिन रहा है।

विपक्ष के लिए सबसे बड़ी चिंता यह है कि आम चुनाव के बाद वह जितना एकजुट और मजबूत नजर आ रहा था, अब उतना ही बिखरा एवं अलग-थलग होता हुआ दिख रहा है। जम्मू-कश्मीर और झारखंड की जीत इतनी बड़ी नहीं है, जो बाकी हार को छुपा सके। इन दोनों राज्यों में भी विपक्षी गठबंधन इंडिया की जीत में क्षेत्रीय दलों की बड़ी भूमिका रही और कांग्रेस की कम। इसलिए अब विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व को लेकर भी उसे चुनौतियां मिल रही हैं। आने वाले चुनाव विपक्षी गठबंधन के भविष्य के लिए भी अहम और निर्णायक होंगे। विपक्ष की मजबूती उसके खुद के लिए ही नहीं, एक मजबूत लोकतंत्र के लिए भी जरूरी है। इंडिया गठबंधन का मूल उद्देश्य भाजपा एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कमजोर करना है, लेकिन इसके लिये कांग्रेस एवं गठबंधन प्रभावी मुद्दें प्रस्तुत करने में नाकाम रही है। जबकि भाजपा ने महाराष्ट्र में हिंदू मतदाताओं के रुझान का ख्याल रखा। इसी के हिसाब से नारे गढ़े। लाडकी बहिन जैसी लाभार्थी योजना, आरक्षण के सवालों और महाराष्ट्र के किसानों के मुद्दों के इर्द-गिर्द अपनी रणनीति बनाई। लेकिन राहुल गांधी ऐसे चुनावी मुद्दों को गढ़ने में क्यों असफल रहे? इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के नेता राहुल गांधी की इन स्थितियों पर गंभीर मंथन कर रहे हैं। राहुल गांधी बेतुकी आक्रामकता से उपरत क्यों नहीं हो रहे हैं? वे सदन के भीतर एवं सदन के बाहर ऐसी ही तर्कहीन बातों एवं बयानों से अराजक माहौल बना रहे हैं। जिससे कांग्रेस तो कमजोर हो ही रही है, इंडिया गठबंधन भी कमजोर होता जा रहा है, यही बड़ा कारण है इसके बिखराव का, टूटन का।

डिजिटल क्राइम से हो रहा मानवाधिकार उल्लंघन

-डा. निधि शर्मा-

समाज में बह रहे सूचनाओं के प्रवाह में हर दूसरी खबर मनुष्यता के अधिकारों के हनन से संबंधित होती है। यह समस्या एक देश, एक समाज एवं वर्ग विशेष की नहीं, बल्कि विश्वभर में रह रहे हर मनुष्य के साथ जुड़ी हुई है। आज जो आर्थिक एवं डिजिटल तौर पर सक्षम है, वो सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक तौर पर कमजोर वर्ग को नियंत्रित करने की कोशिश करता है। वैश्विक स्तर पर इजराइल-फिलिस्तीन युद्ध एवं यूक्रेन व रूस युद्ध के मूल कारणों पर चर्चा की जाए तो मूल कारण नियंत्रण ही है। लेकिन इस नियंत्रणकारी नीति का खामियाजा आम जनता को ही भुगतना पड़ता है, जो शायद पूरी तरह से युद्ध के कारणों व परिस्थितियों से रूबरू भी नहीं है। इस परिस्थिति में आम जनता के अधिकार विनाशकारी तरीके से रौंद दिए जाते हैं। यह कोई नई बात नहीं, द्वितीय विश्व युद्ध के अत्याचारों ने मानव अधिकारों के महत्व को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अहम मुद्दा बना दिया था। इसी गंभीरता को समझते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को 10 दिसंबर 1948 को अपनाया था। इसलिए हर वर्ष यह दिन विश्व मानवाधिकार दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसके अंतर्गत समानता का अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, भेदभाव से आजादी का अधिकार, अभिव्यक्ति का अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं भोजन का अधिकार आदि शामिल हैं जो व्यक्ति को समाज में हक एवं बिना किसी दबाव के जीने का अधिकार देते हैं। इस साल मानवाधिकार दिवस की थीम हमारे अधिकार, हमारा भविष्य रखी गई है। इसी के अंतर्गत डिजिटल सुरक्षा अधिकार को भी जोड़ा जाना चाहिए। भारत के संदर्भ में बात की जाए तो देश के संविधान में मौलिक अधिकारों का प्रावधान किया गया है। लेकिन इन अधिकारों की अनुपालना व अवहेलना सब परिस्थितियों के हिसाब से हो रही है जो वाकई में चिंता का विषय है। वर्तमान में ह्यूमन राइट्स वॉच की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में डिजिटल सुविधाओं को बढ़ाने के लिए काम तो किया जा रहा है, लेकिन डेटा प्रोटेक्शन की कमी के कारण बढ़ती डिजिटल अरेस्ट की घटनाओं ने मानवीय अधिकारों के भविष्य पर व्यापक चर्चा शुरू कर दी है। इस मुद्दे पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मन की बात कार्यक्रम में व्यापक चर्चा कर चुके हैं। डिजिटल अरेस्ट एक नया धोखाधड़ी करने का तरीका है जिसमें कोई अफसर बनकर वीडियो कॉल के माध्यम से किसी भी धोखाधड़ी में फंसाकर रुपयों की मांग करता है। यह धोखाधड़ी शहरों से लेकर गांवों तक हर वर्ग में पहुंच चुकी है। हद तो तब हो गई जब पढ़ा-लिखा वर्ग भी डिजिटल अरेस्ट का शिकार हो रहा है। अभी हाल में ही नोएडा में सेवानिवृत्त मेजर जनरल को उनके नाम पर भेजे गए पार्सल में ड्रग्स होने की जांच के नाम पर पांच दिन डिजिटल अरेस्ट रखकर दो करोड़ की ठगी, सोनीपत में सेवानिवृत्त अधिकारी को व्हाट्सऐप पर नकली वारंट भेजकर डिजिटल अरेस्ट कर सरकारी खाते बताकर 1.78 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए। ये संख्या बहुत लंबी है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 2020 से 2024 तक 582000 केस के अंतर्गत 3207 करोड़ के धोखाधड़ी मामलों की जानकारी है, यानी कि कई हजार केस तो पंजीकृत या प्रकाश में ही नहीं आए। वर्तमान में रुपयों का लेन-देन काफी हद तक डिजिटल हो चुका है। ऐसे में साइबर अपराध के माध्यम से मानवाधिकारों को सुरक्षित करना बहुत बड़ी चुनौती बन चुका है। जहां वर्ष 2014 में देश में 25 करोड़ इंटरनेट यूजर थे, जो 2024 में बढकर 95 करोड़ हो चुके हैं। दुनिया भर के कुल डिजिटल ट्रांजैक्शन का 46 प्रतिशत वर्तमान में भारत में हो रहा है। ऐसे में बड़ी संख्या में ठगों की नजर सीधा बैंक खातों पर रहती है। हालांकि सरकार द्वारा केन्द्रीय गृह मंत्रालय के तहत साइबर क्राइम हेल्प लाइन नंबर 1930 और रिजर्व बैंक की वेबसाइट पर जाकर शिकायत दर्ज कर सकते हैं। लेकिन कितनी शिकायतें दर्ज होती हैं और कितनी का निपटारा होता है, ये अपने आप में एक बहुत बड़ा सवाल है। आज के समय में डिजिटल तकनीक के माध्यम से मानवाधिकार हनन एक ज्वलंत मुद्दा है। इससे बचने का एकमात्र उपाय जागरूकता ही है। व्यक्तिगत तौर पर स्वयं भी और अपने आसपास साइबर अपराध से बचने के तरीकों को जानिए और बताइए सामाजिक स्तर पर फैल रही ज्वलंत फेक न्यूज, साइबर अपराध, सरकारी मशीनरी की जानकारी, कानून और विशेषकर ठगी होने पर शिकायत जरूर दर्ज करवाएं। सरकार को भी चाहिए कि टेलिकॉम ऑपरेटर और बैंकिंग सिस्टम को भी उपभोक्ताओं के निजी डाटा के प्रति जवाबदेह बनाएं ताकि अपराध होने पर ठगी करने वाला और जिस माध्यम से हो रहा है, दोनों को सजा दी जाए। देश के स्तर पर सरकार को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के जरिए फैल रहे साइबर अपराध व साइबर युद्ध के लिए अलग और समय पर सिस्टम तैयार करने की जरूरत है, क्योंकि द्वितीय विश्व युद्ध में दिखने वाले मानवीय नुकसान ने मानवाधिकारों की चर्चा हुई, लेकिन अगला युद्ध साइबर युद्ध होगा जो अदृश्य होकर कमजोर राष्ट्र, समाज और वहां रहने वाले लोगों पर हमला करेगा। इस हमले से लडऩे के लिए समाज के हर व्यक्ति को तैयार करना होगा, क्योंकि मानवाधिकारों की सुरक्षा डिजिटल कत्र्तव्य से जुड़ी हुई है। एक और चिंता का विषय भी है। भारत में मानवाधिकार संगठनों की सक्रियता खास तौर से पंजाब के आतंकवाद के भयावह दौर से देखी जा रही है। जब इन संगठनों को पुलिस व सेना के जवानों का हर छोटा-बड़ा कारनामा तो नजर आता था, लेकिन आतंकवादियों की करतूतों के विरुद्ध इनकी जुबान पर लगाम कसी रहती थी। इसके बारे में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एएस आनंद ने एक बार कठोर टिप्पणी करते हुए कहा भी था कि ये संगठन सुरक्षा बलों के अत्याचारों पर तो उंगली उठाते हैं, पर आतंकवादी संगठन कश्मीर में जो कुछ कर रहे हैं, उस पर चुप रहते हैं। यह हकीकत भी है कि यदि कोई आतंकवादी या शरारती तत्व पुलिस अथवा सेना के हाथों मारे जाएं तो मानवाधिकारवादी संगठन खूब हो-हल्ला मचाते हैं लेकिन वहीं अगर यही सिरफिरे लोग निदोर्षों के लहू से होली खेलें, अबलाओं की इज्जत के सरेआम चिथड़े उड़ाएं, उन्हें गैंगरेप जैसी पाशिवक घटनाओं को अंजाम देकर जिंदा जला डालें, तो ऐसी हैवानियत मानवाधिकार के ठेकेदारों को नजर नहीं आती, बल्कि ऐसे मामलों में इन संगठनों की भूमिका पर सवाल उठाने वालों के समक्ष तर्क प्रस्तुत किया जाता है कि आतंकवादी संगठन किसी स्थापित कानून के तहत काम करने वाली कोई सरकारी संस्था नहीं हैं और वैसे भी आतंकवादी संगठनों की कार्रवाई चूंकि कानून की नजर में अपराध है, अतः यदि कोई आतंकवादी या अराजक तत्व पकड़ा भी जाए, तब उसके खिलाफ कानून के मुताबिक ही कार्रवाई होनी चाहिए। हालांकि ऐसा नहीं है कि मानवाधिकार संगठनों की भूमिका हर मामले में ही संदेहास्पद रही हो बल्कि कई मामलों में इन संगठनों ने सही मायनों में पीड़ित मानवता के हित में सार्थक पहल की है, किन्तु यह भी कटु सत्य है कि दुनियाभर में आज भी करोड़ों-अरबों लोग मानवाधिकारों की विश्वव्यापी घोषणा के 76 वर्षों बाद भी अपने अधिकारों से वंचित हैं। मानवाधिकारों की सुरक्षा के लिए 1961 में स्थापित अंतरराष्ट्रीय संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट में बताया गया था

सार्वजनिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा की लापरवाही

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान अग्नि रोकथाम और आपातकालीन प्रतिक्रिया के बारे में ज्ञान फैलाने में मदद कर सकते हैं। अग्नि सुरक्षा मानकों का अनुपालन करने वाले अस्पतालों को सब्सिडी या अनुदान जैसे प्रोत्साहन प्रदान करने से बेहतर कार्यान्वयन को बढ़ावा मिल सकता है। झांसी में अस्पताल में लगी दुखद आग सार्वजनिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा प्रवर्तन में चल रही खामियों की एक स्पष्ट याद दिलाती है। जापान जैसे देशों में अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना, जहाँ आग से होने वाली मौतों की दर सबसे कम है, एक मार्गदर्शक प्रकाश हो सकता है। सरकार को सुरक्षित सार्वजनिक स्थान बनाने के लिए बुनियादी ढाँचे को उन्नत करने, विनियमन को बढ़ाने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए....

उत्तर प्रदेश के झांसी में एक अस्पताल में लगी दुखद आग, जिसमें 11 नवजात शिशुओं की जान चली गई, भारत के सार्वजनिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा उपायों की विफलता को उजागर करती है। राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीसी) और अग्नि सुरक्षा और रोकथाम नियमों के बावजूद, कई अस्पताल इन विनियमों का पालन नहीं करते हैं। यह बेहतर अग्नि सुरक्षा प्रवर्तन और भविष्य में जानमाल के नुकसान को रोकने के लिए बुनियादी ढांचे में महत्त्वपूर्ण उन्नयन की तत्काल आवश्यकता पर जोर देता है। सार्वजनिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित करने में चुनौतियाँ अग्नि सुरक्षा कार्यान्वयन में त्रुटिपूर्ण हैं। भ्रष्टाचार और अग्नि अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करने में उचित निगरानी की कमी के कारण कई अस्पताल निर्धारित अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन करने में विफल रहते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, कई अस्पताल विनियामक जाँच को दरकिनार कर देते हैं, जिसके परिणामस्वरूप असुरक्षित संरचनाएँ बन जाती हैं जो अग्नि सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं करती हैं। अपर्याप्त बुनियादी ढांचा और योजनाः अनुचित योजना और घटिया निर्माण के कारण अक्सर सार्वजनिक संस्थानों, विशेषकर अस्पतालों में आग का खतरा पैदा होता है। कोलकाता एएमआरआई अस्पताल में आग लगने की घटना (2011) ने संरचनात्मक योजना में गंभीर खामियों को उजागर किया, जैसे कि अवरुद्ध भागने के रास्ते और अपर्याप्त अग्नि निकास, जिसने बड़ी संख्या में मौतों में योगदान दिया। जागरूकता और प्रशिक्षण की कमी जैसे चिकित्सा कर्मचारी और अग्नि सुरक्षा कर्मियों को अक्सर आग की रोकथाम, आपातकालीन निकासी या अग्निशमन तकनीकों में पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित नहीं किया जाता है। मुंबई (2020) में एक कोविड -19 सुविधा में आग लगने से तैयारियों की कमी का पता चला, अस्पताल के कर्मचारी अपर्याप्त प्रशिक्षण और जागरूकता के कारण आग की आपात स्थिति को संभालने में असमर्थ थे। कई अस्पताल, विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, अग्नि सुरक्षा बुनियादी ढांचे को उन्नत करने या पर्याप्त अग्निशमन उपकरण खरीदने के लिए वित्तीय संसाधनों की कमी रखते राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की भारत में आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या (एडीएसआई) रिपोर्ट में 2022 में 7, 500 से अधिक आग दुर्घटनाएँ दर्ज की गईं, जिसके परिणामस्वरूप 7, 435 मौतें हुईं, जो खराब प्रवर्तन के गंभीर परिणामों को दशार्ता है। कई अस्पतालों में आग के खतरों से बचाव के लिए समर्पित निकासी मार्ग, अग्निरोधी सामग्री और अन्य आवश्यक बुनियादी ढाँचे का अभाव है। उपहार सिनेमा अग्नि (1997), जिसमें 59 लोग मारे गए थे, अपर्याप्त निकास बिंदुओं के कारण और भी गंभीर हो गई थी, जो एनबीसी और एनडीएमए दिशानिर्देशों द्वारा निर्धारित मजबूत निकासी योजना की आवश्यकता को उजागर करती है। भारत में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अग्नि सुरक्षा मानकों के कार्यान्वयन में भिन्नताएँ क्षेत्रीय असमानताएँ पैदा करती हैं। इन चुनौतियों का समाधान करने के उपाय निगरानी और विनियमन को मजबूत करना है। अग्नि सुरक्षा मानदंडों की मजबूत निगरानी सुनिश्चित करना और सभी अस्पतालों के लिए अग्नि सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य बनाना अनुपालन में सुधार कर सकता है। सार्वजनिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा के लिए एनडीएमए के दिशानिर्देशों को नियमित निरीक्षण और गैर-अनुपालन के लिए दंड के साथ और अधिक सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। अस्पतालों को आधुनिक अग्नि सुरक्षा बुनियादी ढांचे में निवेश करना चाहिए, जिसमें फायर अलार्म, स्प्रिंकलर और अग्नि शमन प्रणाली शामिल हैं। दिल्ली के एम्स में अग्नि सुरक्षा उपाय, जिसमें उन्नत अग्नि पहचान और दमन प्रणाली शामिल हैं, अन्य अस्पतालों के लिए एक मॉडल के रूप में काम कर सकते हैं। आपातकालीन प्रक्रियाओं पर अस्पताल के कर्मचारियों के लिए नियमित अग्नि सुरक्षा अभ्यास और व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक हैं। एनडीआरएफ द्वारा शुरू किए गए अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रमों को किसी संकट के दौरान कर्मचारियों की तत्परता सुनिश्चित करने के लिए सभी अस्पतालों में दोहराया जा सकता है। सरकारों और अस्पताल अधिकारियों को अग्नि सुरक्षा बुनियादी ढांचे और नियमित रखरखाव के लिए अधिक धन आवंटित करना चाहिए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) नए अस्पताल परियोजनाओं के लिए अपने वित्त पोषण प्रस्तावों के अनिवार्य हिस्से के रूप में अग्नि सुरक्षा को शामिल कर सकता है, विशेष रूप से कम सेवा वाले क्षेत्रों में। अस्पतालों और सार्वजनिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने से बेहतर सतर्कता और सुरक्षा मानकों के पालन को बढ़ावा मिल सकता है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान अग्नि रोकथाम और आपातकालीन प्रतिक्रिया के बारे में ज्ञान फैलाने में मदद कर सकते हैं। अग्नि सुरक्षा मानकों का अनुपालन करने वाले अस्पतालों को सब्सिडी या अनुदान जैसे प्रोत्साहन प्रदान करने से बेहतर कार्यान्वयन को बढ़ावा मिल सकता है। झांसी में अस्पताल में लगी दुखद आग सार्वजनिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा प्रवर्तन में चल रही खामियों की एक स्पष्ट याद दिलाती है। जापान जैसे देशों में अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना, जहाँ आग से होने वाली मौतों की दर सबसे कम है, एक मार्गदर्शक प्रकाश हो सकता है। सरकार को सुरक्षित सार्वजनिक स्थान बनाने के लिए बुनियादी ढाँचे को उन्नत करने, विनियमन को बढ़ाने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

> अस्पतालों को आधुनिक अग्नि सुरक्षा बुनियादी ढांचे में निवेश करना चाहिए, जिसमें फायर अलार्म, स्प्रिंकलर और अग्नि शमन प्रणाली शामिल हैं। दिल्ली के एम्स में अग्नि सुरक्षा उपाय, जिसमें उन्नत अग्नि पहचान और दमन प्रणाली शामिल हैं, अन्य अस्पतालों के लिए एक मॉडल के रूप में काम कर सकते हैं। आपातकालीन प्रक्रियाओं पर अस्पताल के कर्मचारियों के लिए नियमित अग्नि सुरक्षा अभ्यास और व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आवश्यक हैं। एनडीआरएफ द्वारा शुरू किए गए अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रमों को किसी संकट के दौरान कर्मचारियों की तत्परता सुनिश्चित करने के लिए सभी अस्पतालों में दोहराया जा सकता है।

अनुसूचित जाति के व्यक्तियो पर अत्याचार/ उत्पीड़न के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, कलेक्ट्रेट सभागार में श्री लवकुश कुमार, मा० सदस्य राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति के व्यक्तियो पर अत्याचार/ उत्पीड़न के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्री लवकुश कुमार, मा० सदस्य राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने एसपी सिटी पंकज गैरोला से जानकारी ली कि अनुसूचित एससी एसटी पीड़ितों ने प्राथमिक कितनी दर्ज कराई गई और उनमें से कितने केस निस्तारित हुए और कितने लंबित है की जानकारी लेते हुए दर्ज आकड़ो ठीक करने के निर्देश दिए। उन्होंने लीड बैंक मैनेजर से कहा कि जनधन खाते एवं शिक्षा ऋण में अनुसूचित जाति का प्रतिशत बहुत कम है इसको लेकर उनके द्वारा नाराजगी जताई साथ ही सुझाव दिया वर्कशॉप लगाकर लोगों को जागरूक करे जिससे कि जनधन में लोगों का प्रतिशत बढ़ सके। उन्होंने जनपद में छात्रावास को लेकर संतोष व्यक्त किया और अनुसूचित बालिकाओ के लिए कितने छात्रावास है की जानकारी ली, तो अधिकारियों ने बताया कि 11 कस्तूरबा गांधी छात्रावास है जनपद में एससी/एसटी की छात्राएं है फिर उन्होंने छात्रावास की स्थिति को लेकर जानकारी ली , सफाई व्यवस्था और भोजन की मॉनिटरिंग, समय-समय पर विजिट भी करने के निर्देश दिए। मनरेगा के तहत जिनके पास जॉब कार्ड है वो काम कर भी रहे है कि नहीं सत्यता जांचे, सरकारी धन का सद्पयोग हो दुरुपयोग नहीं। ओल्ड एज, राष्ट्रीय वृद्ध और किसान पेंशन योजना में जनपद में प्रतिशत कम है, साथ ही विधवा पेंशन में जल्द समाधान हो उनसे अनावश्यक भाग दौड़ न कराए जाने के निर्देश दिए।

समाज कल्याण अधिकारी ने पेंशन के लिए ऑनलाइन पोर्टल की सुविधा के लिए बताया, तो उन्होंने कहा कि धरातल पर जो लोग हैं गरीब तबके के लोग हैं जो ऑनलाइन नहीं जानते उनके लिए विशेष उपाय किए जाएं और उनको जागरूक भी किया जाए जिससे कि सरकार द्वारा जो भी योजना बनाई गई है वह धरातल पर नजर आए। अपर जिलाधिकारी पीएल शाह ने श्री लवकुश कुमार, मा० सदस्य राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग का धन्यवाद दिया ओर उनके द्वारा महत्वपूर्ण सुझाव जो दिए गए हैं उसे पर अमल करने की कोशिश करेंगे साथ ही विभाग के द्वारा जो त्रुटियां हुई है उसको सही कराकर सूचना नहीं दे पाए वह जल्द ही पूरी करवा कर उपलब्ध करा देंगे । बैठक में निदेशक राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग वीके सिंह, सीएमओ डॉ अनिल उपाध्याय एसडीएम अजयवीर सिंह,गोपाल सिंह चौहान, जितेंद्र कुमार, जिला पंचायत अधिकारी अतुल प्रताप सिंह जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश, जिला समाज कल्याण अधिकारी गोर्वधन सिंह सहित जनपदीय अधिकारी आदि मौजूद थे।

श्री महंत महामंडलेश्वर 1008 श्री गंगा दास जी महाराज ने माता जी का सम्पूर्ण मनोवृति के साथ सत्कार किया

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार , श्रवण नाथ नगर स्थित श्री जुगत निवास आश्रम में श्री श्री बाबा नीम करोली जी महाराज एवं उनके परम शिष्य परम पूज्य श्री श्री सेवानंद जी महाराज की परम शिष्य लोकमाता श्री श्री 1008 साध्वी मां पूनम जी महाराज पधारी आश्रम के परमाध्यक्ष श्री महंत महामंडलेश्वर 1008 श्री गंगा दास जी महाराज ने माता जी का सम्पूर्ण मनोवृति के साथ सत्कार किया डिवाइन बलीस इंटरनेशनल की संस्थापक लोकमाता पूनम गुरुजी ने कहा परम पूज्य महामंडलेश्वर 1008 श्री श्री गंगा दास जी महाराज तथा साध्वी सुशीला उदासीन जी महाराज जैसे पावन तपस्वी त्याग मूर्ति संतो का पावन सानिध्य तन एवं मन को पावन कर देता है मन में ज्ञान एवम पावनता की गंगा बहने लगती है श्री जुगत निवास आश्रम आगुंतकों एवं भक्तों पर अपने स्नेह एवं प्यार की वर्षा करता है इस आश्रम में त्याग तपस्या और समर्पण के साथ-साथ ज्ञान का भी वैभव दिखायी देता है भारतीय सभ्यता सनातन एवं संस्कृति की झलक इस आश्रम में यहां के सेवा भाव में कूट-कूट कर भरी हुई है उन्होंने कहा हम अमेरिका से यहां हरिद्वार आये किसी से महामंडलेश्वर श्री गंगा दास महाराज के बारे में जानकारी प्राप्त हुई तो उनके दर्शन की अभिलाषा जागी जब हम अचानक उनके आश्रम में पहुंचे तो मुझे ऐसा महसूस हुआ कि मैं वर्षों बाद अपने घर आ गई हूं ऐसा लगा जैसे हमारा सदियों पुराना कोई नाता हो इतनी सेवा इतना आदर इतना समर्पण भाव इतना सम्मान केवल भारतीय संस्कृति में ही किसी अनजान को प्राप्त

हो सकता है धन्य है श्री श्री महामंडलेश्वर गंगादास जी महाराज जो आज भी भारतीय सभ्यता संस्कृति अचार विचार और नर सेवा ही नारायण सेवा के भाव से चल रहे हैं ऐसी ही उदारवादी परम वंदनीय संत है साध्वी शक्ति परिषद की पदाधिकारी साध्वी माता सुशीला उदासीन जी जिन्होंने इतना सुंदर सेवा भाव का कृत संकल्प लिया हुआ ममतामरी मां जगत जननी का स्वरूप और झलक माता सुशीला देवी उदासीन में तथा उनके स्वभाव में उनके संस्कारों में उनके सेवा भाव में साफ-साफ दिखाई देती है

इस अवसर पर बोलते हुए महामंडलेश्वर श्री 1008 गंगादास उदासीन जी महाराज ने कहा श्री लोक माता पूनम मां विदेश में भी भारतीय सभ्यता और संस्कृति का प्रचार प्रसार कर सनातन और भारतीय संस्कृति को मजबूत कर रही है विदेश में भी उनके ज्ञान का लाभ प्राप्त कर विदेशी भारतीय संस्कृति को अपना रहे हैं इस अवसर पर बोलते हुए साध्वी माता सुशीला उदासीन महाराज ने कहा मनुष्य ताउम्र तेरा मेरा इसका इसका करता रहता है यह सब व्यर्थ है मनुष्य खाली हाथ आया था और एक दिन खाली हाथ चले जाना अगर जायेगा कुछ साथ तो वह आपकी अच्छाई और बुराई इसलिए अच्छे कार्य करो सुबह-शाम हरि का सिमरन करो आपका लोक और परलोक दोनों सुधर जायेंगे इस लोक में आप अच्छा बुरा जो भी कर रहे हैं उसी के प्रतिफल आपको अगला जन्म प्राप्त होगा अगर लाख 84 के फेरे में नहीं फंसना चाहते हो तो द्वार पर आने जाने वाले की निस्वार्थ भाव से सेव करो और हरि का सिमरन करो इसी का प्रतिफल आपको परलोक में प्राप्त होगा

हरिद्वार में होने वाले विकास कार्यों और पर्यटन के क्षेत्र में धर्म नगरी के सौंदर्यीकरण के बारे में चर्चा

हरिद्वार, जिलाधिकारी कमेन्द्र सिंह द्वारा राइजिंग हरिद्वार कार्यक्रम के दौरान हरिद्वार में होने वाले विकास कार्यों और पर्यटन के क्षेत्र में धर्म नगरी के सौंदर्यीकरण के बारे में देर सायं चर्चा की । जिलाधिकारी कमेन्द्र सिंह बताया कि ने राइजिंग हरिद्वार कार्यक्रम के दौरान हरिद्वार में होने वाले विकास कार्यों और पर्यटन के क्षेत्र में धर्म नगरी के सौंदर्यीकरण के बारे में चर्चा की, जिलाधिकारी जी ने बताया कि धर्म नगरी में बनने जा रहे रिंग रोड से जाम की समस्या दूर होगी व चारधाम व यात्रा को जाने वाले यात्री व पर्यटक को सुगम यात्रा उपलब्ध होगी , जगह -2 पुलों के निर्माण से यातायात सुचारू रूप से चलेगा , उन्होंने अनेकों विकास कार्यों का उल्लेख अपने विचारों के दौरान व्यक्त किया। उत्तराखंड के केबिनेट मंत्री श्री प्रेमचंद अग्रवाल, रूड़की हरिद्वार के विधायक व सूचना विभाग उत्तराखंड के महानिदेशक बंसीधर तिवारी, जिलाधिकारी कर्मेन्द सिंह, एसपी सिटी पंकज गैरोला सहित राजनैतिक, सामाजिक व मीडिया के प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया जिसमें मुख्य रूप से हरिद्वार जिले के समसामयिक विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गयी।सूचना महानिदेश-।क श्री तिवारी जी ने राइजिंग हरिद्वार के कार्यक्रम के दौरान कहा .की उत्तराखंड में फिल्म निर्माण के लिए निमार्ताओं को फिल्म शूटिंग करने के लिए शुल्क में बहुत सब्सिडी दी जा रही है, उन्होंने कहा उत्तराखंड के हर क्षेत्र में चाहे कुमांऊ का हो या गढवाल लोकशन की बहुतायत है और वातावरण भी फिल्म निर्माण के एकदम अनकूल है, श्री तिवारी ने फिल्म निर्माण में हर क्षेत्र में मिलने वाली सब्सिडी पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान आयोजकों द्वारा विशिष्ठ अतिथियों को स्मृति चिन्ह दे कर को सम्मानित किया।

जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीएलआरसी) की बैठक का आयोजन

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार , जिलाधिकारी कमेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलक्ट्रेट रोशनाबाद के सभागार में बैकर्स जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीएलआरसी) की बैठक का आयोजन किया गया। सभी बैंकर्स औद्योगिक विकास हेतु उद्यमियों को सकारात्मक सोच के साथ ऋण उपलब्ध कराना दिए गये लक्ष्य को पूर्ण करने डीएलआरसी की बैठक लेते हुए सभी बैंकर्स को दिये। जिलाधिकारी ने सभी बैंकर्स को निर्देशित करते हुए कहा कि बैठक में बात कही गई है उसे ग्रहण करें, क्योंकि यह महत्वपूर्ण बैठक है जो 03 माह में 01 बार होती है जो बैंक बैठक में उपस्थित नहीं है उसकी अनुपस्थिति दर्ज करें जिलाधिकारी ने कहा कि आम नागरिक को अनावश्यक परेशानी न हो क्यों कि उनको बैको पर विश्वास है कमजोर वर्ग के जो भी आवेदन आते है, उनको नियमानुसार पास करें यदि निरस्त होता है उनको अवगत करा दें, बेवजह वो परेशान न हो जो मानक निर्धारित हो उनके अनुसार कार्य करे। उन्होंने कहा कि आम नागरिक को वित्तीय रूप से सुदृढ़ करें अन्तिम 03 स्टेज पर जो भी बैंक आयेंगे तो उनके कार्यो पर प्रश्न चिन्ह लगेगा और उनसे निर्धारित लक्ष्य को पूरा न करने के लिए पूछा जायेगा। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि बैंकों में आने वाले ग्राहकों के प्रति स्वंय संवेदनशील रहे तथा अपने अधीनस्थों को भी संवेदनशील बनाए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि जो भी लक्ष्य निर्धारित किए गये है तो समयान्तर्गत पूरा किया जाए, विभिन्न रोजगारपरक योजनाओं में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले बैंकों की हर मीटिंग में विशेष समीक्षा की जायेगी। बैठक में एलडीएम संजय संत, डीडीएम नाबार्ड, महाप्रबन्धक उद्योग यू.के तिवारी, जिला पर्यटन विकास अधिकारी अमित लोहनी, मुख्य उद्यान अधिकारी तेजपाल सिंह मत्स्य अधिकारी गरिमा मिश्रा, सहायक निदेशक डेरी ओमकार त्रिपाठी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सहित सम्बन्धित बैंकर्स व अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

बहादराबाद ब्लॉक में वेस्ट फ्लावर मैनेजमेंट गतिविधि के लिए समृद्धि प्रसाद ग्रोथ सेंटर और सरस विपणन केंद्र का बीडीओ बहादराबाद और डीपीएम रीप द्वारा संयुक्त निरीक्षण

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

मुख्य विकास अधिकारी महोदया के निदेर्शानुसार, ग्रामोत्थान परियोजना के जिला परियोजना प्रबंधक (डीपीएम) द्वारा खंड विकास अधिकारी बहादराबाद के साथ समृद्धि प्रसाद ग्रोथ सेंटर, बहादराबाद और सरस विपणन केंद्र, जमालपुर कलां का संयुक्त भ्रमण किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य वेस्ट फ्लावर मैनेजमेंट गतिविधि को स्थापित करने के लिए आवश्यक संसाधनों और अवस्थापना सुविधाओं का आकलन करना था।

निरीक्षण की मुख्य बिंदु:-

1. भवन का निरीक्षण और रेनोवेशन योजना:-

टीम ने ग्रोथ सेंटर और विपणन केंद्र की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन किया। भवन को वेस्ट फ्लावर मैनेजमेंट यूनिट की आवश्यकताओं के अनुरूप रेनोवेट करने की योजना बनाई गई। इसमें दीवारों, फर्श, और छत की मरम्मत, बिजली की फिटिंग, और आवश्यक सुरक्षा उपाय शामिल हैं।

2. मशीनरी स्थापना हेतु स्थान चयन:-

मशीनरी स्थापित करने के लिए केंद्र में उपयुक्त स्थान का चयन किया गया। यह स्थान ऐसी जगह तय किया गया जहां आसानी से कार्यशीलता सुनिश्चित हो सके और संचालन में किसी प्रकार की बाधा न हो।

3. पार्किंग और लोडिंग/अनलोडिंग सुविधा का आकलन:-

वेस्ट फ्लावर मैनेजमेंट गतिविधि के संचालन के लिए पार्किंग स्पेस और लोडिंग/अनलोडिंग सुविधाओं का भी निरीक्षण किया गया। सुनिश्चित किया गया कि वाहनों की आवाजाही में बाधा न हो और कच्चे माल व तैयार उत्पादों को आसानी से लोड/अनलोड किया जा सके।

4. निर्देश और एस्टीमेट तैयार करने की प्रक्रिया:-

खंड विकास अधिकारी द्वारा ब्लॉक के जूनियर इंजीनियर (जेई-आर ई एस) को निर्देश दिए गए कि समस्त मानकों का ध्यान रखते हुए भवन के रेनोवेशन और मशीनरी स्थापना के लिए विस्तृत एस्टीमेट तैयार किया जाए। यह एस्टीमेट अनुमोदन हेतु जिला मुख्यालय को प्रेषित किया जाएगा।

5. भविष्य की कार्ययोजना:-

रेनोवेशन कार्यों और मशीनरी स्थापना के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

गतिविधि के प्रारंभिक चरण में वेस्ट फूलों से अगरबत्ती, खाद, और अन्य उत्पाद तैयार करने के लिए प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाएगा।

स्थानीय ग्रामीण महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों (रत्नऋ्र) को इस गतिविधि से जोड़ा जाएगा, जिससे उनके आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा।

परियोजना का महत्व:-

यह परियोजना न केवल फूलों के कचरे का पर्यावरण-अनुकूल निपटारा सुनिश्चित करेगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का भी एक माध्यम बनेगी।

राजकीय मेडिकल कॉलेज हरिद्वार में मंगलवार को व्हाइट कोर्ट सेरेमनी का आयोजन

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार , राजकीय मेडिकल कॉलेज हरिद्वार में मंगलवार को व्हाइट कोर्ट सेरेमनी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ धनसिंह रावत रहे। इस दौरान सभागार में उपस्थित पहले बैच के सभी 100 बच्चों को चरक शपथ दिलाते हुए व्हाइट कोर्ट पहनाया गया। इस सेरेमनी के बाद सभी स्टूटेंस के चेहरे खुशी से खिल उठे। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि डॉ धनसिंह रावत ने राजकीय मेडिकल कॉलेज हरिद्वार के प्रथम बैच के स्टूडेंस से कहा कि तुम पहले बैच के सौभाग्यशाली हो, अब इस मेडिकल कॉलेज की छवि बनाना आपके हाथ में है। इस कॉलेज को एक आदर्श कॉलेज बनाने की जिम्मेदारी अब आपकी है। उन्होंने कहाकि पढ़ायी के दौरान यहां किसी प्रकार के संसाधनों की कमी नहीं होने दी जाएगी। स्टूडेंटस के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि पढ़ाई के लिए ई लाइब्रेरी की सुविधा उपलब्ध करायी गई है। पढ़ायी के साथ साथ खेलकूद की व्यवस्था यहां की गई है। डॉ धनसिंह रावत ने बताया कि बेहद कम समय में कड़ी मेहनत के साथ इस मेडिकल कॉलेज की शुरूआत की

गई हैफ। इसमें केंद्र सरकार का भी विशेष योगदान रहा है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य होगा जो अपने यहां से हर साल 1200 डॉक्टरों को तैयार कर दूसरे राज्यों को देगा। इस समय प्रदेश में चिकित्सकों की कोई कमी नहीं है। 82 प्रतिशत डॉक्टर हैं, शेष पदों के लिए भी सरकार जल्द ही प्रक्रिया कर रही है। हर 15 दिन में इंटरव्यू कर रहे हैं ताकि फेकेल्टी की भी कमी न रहे। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में 2027 तक शतप्रतिशत डॉक्टर होंगें। स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी को पूरा करने के लिए सर्वाधिक वेतन हम दे रहे हैं। पहाडों में दूरगामी स्थलों पर नौकरी करने वालों को वेतन से 50 प्रतिशत अधिक देने की व्यवस्था हमने की है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025–26 में रूद्रपुर का मेडिकल कॉलेज शुरू हो जाएगा और वर्ष 2026–27 तक पिथौरागढ़ का मेडिकल कॉलेज शुरू करा दिया जाएगा। डॉ धनसिंह रावत ने कहा कि हमने व्यवस्था की है कि जो भी यहां से एमबीबीएस करेगा उसे कम से कम पांच परिवार गोद लेने होंगे। ऐसा करने से वह जमीनी स्तर से जुड़कर अपने पेशे के साथ न्याय कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज प्रबंधन को एसओपी भी तैयार करने के लिए कहा गया ताकि आने वाले समय में किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। यह एसओपी सभी के लिए तैयार होगी, यहां पढ़ने वाले स्टूडेंटस के अलावा भर्ती होने वाले मरीजों और काम करने वाले कर्मचारियों के लिए एसओपी तैयार की जाएगी। कार्यक्रम को रानीपुर विधायक आदेश चौहान, प्रिंसिपल डॉ रंगील सिंह, एडिशन सेक्रेटरी नमामि बंसल, जिलाध्यक्ष संदीप गोयल आदि ने भी संबोधित किया। विधायक आदेश चौहान ने बताया कि इस कॉलेज को समय से तैयार करने में किन किन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। कैसे केंद्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सहयोग से यह मुश्किल सा दिखायी देने वाला कार्य आसान हुआ। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष जयपाल सिंह चौहान, जिला महामंत्री आशु चौधरी, उपाध्यक्ष विकास तिवारी, विपिन शर्मा, प्रदीप चौधरी, मनोज परारिया, नागेंद्र राणा आदि मौजूद रहे।

रामपुर नगर पंचायत में भाजपा के सोहन सिंह राणा अध्यक्ष पद के सबसे मजबूत दावेदार

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

रुड़की में नगर निकाय चुनाव को लेकर राजनैतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं । रामपुर नगर पंचायत में वरिष्ठ भाजपा नेता सोहन सिंह राणा के आवास पर भाजपा चुनाव प्रभारी बनाए गए सुशील त्यागी को चुनाव प्रभारी बनाए जाने पर फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर भाजपा चुनाव प्रभारी सुशील त्यागी ने कहा कि आज चारो ओर भाजपा का डंका बज रहा है रामपुर नगर पंचायत आज भी बदहाल बनी हुई है जहां बड़े पैमाने पर विकास की आवश्यकता है।

सुशील त्यागी ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकारों की योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंच रहा है अगर यहां की जनता ने नगर पंचायत में भाजपा को जीत दिलाई तो इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विकास कार्य कराए जाएंगे ।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदेशों में भी भारत को बहुत अधिक पहचान दिलाई है ।आज पूरे देश और दुनिया में मोदी और भाजपा का डंका बज रहा है ।इस मौके पर भाजपा नेता सोहन सिंह राणा ने कहा कि रामपुर की जनता ने उन्हें अध्यक्ष बनने का मौका दिया तो इस क्षेत्र की तस्वीर बदलने का काम करेंगे ।उन्होंने कहा कि भाजपा ही इस क्षेत्र। का विकास कर सकती है ।इस मौके पर

वरिष्ठ भाजपा नेता राजपाल सिंह , धीर सिंह, सुशील रावत, पंकज पाल, संजय कश्यप, मच्छेंद्र सैनी, अनीस गौड़, संदीप पूरी आदि प्रमुख रूप से आदि मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन संघर्ष मोर्चा ने सरकार को बताया किसान विरोधी...

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

मंगलौर। भारतीय किसान यूनियन संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश चौधरी ने कहा कि सरकार हमेशा से किसानों की अनदेखी कर रही हैं। तरह तरह से किसानों का उत्पीड़न किया जा रहा हैं, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मौके पर उदालहेडी निवासी धीरेन्द्र राणा को हरिद्वार जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया हैं। उदालहेडी गांव स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बोलते हुए भाकियू संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश चौधरी ने कहा कि मोर्चा हमेशा से किसान हित की लड़ाई लड़ता आ रहा हैं। केंद्र व राज्य सरकारों को आड़े हाथ लेते हुए उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की हितैषी नहीं हैं। सरकारों ने हमेशा से किसानों का उत्पीड़न करती आ रही हैं। प्रदेश अध्यक्ष विकास चौधरी ने कहा कि महंगाई चरम सीमा पर हैं लेकिन किसानों को उनकी फसलों का वाजिब दाम नहीं मिल रहा हैं। बल्कि सरकार के इशारे पर अधिकारी किसानों का उत्पीड़न करने पर लगे हुए हैं। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष धीरेन्द्र राणा ने कहा कि जिन उम्मीदों के साथ उन्हें जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई हैं वह उसपर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। इस मौके पर मुख्य रूप से हाजी इकबाल, नरेश चौधरी, अतुल चौधरी, सन्नी चौधरी, अब्दुल वाहिद, आकिल राजपूत, प्रवेज आलम, जावेद बाबर आदि सैकड़ो किसान मौजूद रहे।

सुशासन सप्ताह प्रशासन गांव की ओर₹ अभियान के उत्सव के लिए सप्ताह भर के कार्यक्रम आयोजित

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी), भारत सरकार दिनांक 19 से 24 दिसम्बर, 2024 की अवधि के दौरान ₹सुशासन सप्ताह प्रशासन गांव की ओर₹ अभियान के उत्सव के लिए सप्ताह भर के कार्यक्रम आयोजित कर रही है। आज दिनांक 10.12.2024 को सचिव, (डीएआरपीजी), भारत सरकार द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से उक्त कार्यक्रम के क्रियान्वयन के सम्बंध में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई जिसके कम में श्री कर्मेन्द्र सिंह, जिलाधिकारी, हरिद्वार द्वारा अवगत कराया गया कि अभियान का उ द्देश्य केंद्र और राज्य सरकार के विभागों की सक्रिय भागीदारी और समर्थन से सुशासन को बढ़ावा देना है। जनता की शिकायतों के बेहतर सेवा वितरण/ निस्तारण के लिए तहसील मुख्यालयों / पंचायत समितियों आदि पर विशेष शिविर / कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

जिलाधिकारी, हरिद्वार द्वारा सभी अधिकारियों को भारत सरकार द्वारा निर्गत दिशा-निदेशानुसार कार्यान्वयन चरण के तहत दिनांक 19 दिसम्बर 2024 से 24 दिसम्बर, 2024 के मध्य जनपद स्तर पर निम्नानुसार कार्यवाही सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये गये- सभी विभाग विशेष शिविरों में निपटाए गए सार्वजनिक शिकायतों की संख्या, सीपी ग्राम पोर्टल में निपटाए गए सार्वजनिक शिकायतों की संख्या, राज्य पोर्टलों पर निपटाए गए सार्वजनिक शिकायतों की संख्या, ऑनलाइन सेवा वितरण के लिए जोड़ी गई

मजिस्ट्रेट कार्यालय रुड़की में सड़क सुरक्षा से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

रूड़की। मंगलवार को मजिस्ट्रेट कार्यालय रुड़की में सड़क सुरक्षा से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता संयुक्त मजिस्ट्रेट रुड़की आशीष मिश्रा (आईएएस) ने की। इस दौरान बैठक में रुड़की और मंगलौर के क्षेत्राधिकारी पुलिस, एआरटीओ रुड़की, एजीएम रोडवेज रुड़की, ट्रैफिक इंस्पेक्टर रुड़की और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए कई अहम बिंदुओं पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने, नियमों के सख्त पालन, ट्रैफिक सिग्नल की प्रभावशीलता, और सड़क पर वाहनों के अनियमित संचालन पर रोक लगाने के उपायों पर जोर दिया। इस दौरान मजिस्ट्रेट आशीष मिश्रा ने सभी संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए और यह सुनिश्चित करने को कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए निर्धारित उपायों का प्रभावी क्रियान्वयन हो। उन्होंने आम जनता को भी जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाने की बात कही, ताकि यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित हो सके।

बैठक में अधिकारियों ने स्कूलों, कॉलेजों और समुदाय के अन्य क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाने, हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, और सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए सुझाव दिए।

एसएसपी के निर्देशन में हरिद्वार पुलिस को फिर मिली सफलता

पथरी पुलिस ने मारी बाजी, 5000 के ईनामी को घर दबोचा

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

एसएसपी हरिद्वार प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा ईनामी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु दिए गए दिशा निदेशों के क्रम में पथरी पुलिस द्वारा ठउ्ढर मामले में वांछित चल रहे 5000 के ईमानी आरोपी फिरोज को कासमपुर से दबोचने में सफलता हासिल की।

आरोपी थाना पथरी सहित थाना कलियर का 5000 का ईनामी है व थाना बहादराबाद व थाना खानपुर से काफी समय से वांछित चल रहा था।

नाम पता ईनामी अभियुक्त
फिरोज पुत्र निसार निवासी कासमपुर थाना पथरी हरिद्वार
धारा- 8/21/60/29 ठउ्ढर अउळ
पुलिस टीम
01-उ0नि0 रविन्द्र कुमार (थानाध्यक्ष पथरी)
02-उ0नि0 रोहित कुमार ,
03-उ0नि0 अजय कुमार कां
04-कास्टेबल 1144 नारायण,
05- कांस्टेबल 534 राकेश नेगीं

आमजन के बीच पुलिस ने दी दस्तक

कप्तान प्रमेन्द्र सिंह डोबाल के निर्देश पर आयोजित की गई चौपाल

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन 2025 को सफल बनाने हेतु एस०एस०पी० प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा दिए गए निर्देश पर थाना बुग्गावाला पुलिस ने आज ग्राम नौकराग्रन्ट उर्फ बुग्गावाला में चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। चौपाल में उपस्थित सभी ग्रामीणों को अवैध मादक पदार्थ के सेवन के दुष्परिणाम, उत्तराखंड पुलिस एप का फीचर गौरा शक्ति, ए-त्र्क्षक्रएवं साईबर क्राईम के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। ग्राम वासियों को नशे के कारोबार से जुड़े लोगों की जानकारी गोपनीय रुप से थाना पुलिस को देने एवं अपने आसपड़ोस के लोगों को भी नशे के खिलाफ इस मुहिम में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उपस्थित ग्रामीणों द्वारा पुलिस के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए नशे के खिलाफ चलायी जा रही इस मुहिम में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया गया।

डम्पर पर लगी भंयकर आग, डीजल टैंक तक पहुंचती तो धमाके की थी आशंका

सूचना मिलते ही फायर यूनिट ने सतर्कता से आग पर पाया काबू

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

आग की सुचना पर फायर यूनिट रुड़की तत्काल घटनास्थल सिविल लाइन रुड़की क्षेत्रांतर्गत नगला इमरती पहुंची। मोटर फायर इंजन से होज पाइप फैलाकर पंपिंग कर उक्त स्थान पर डमपर में लगी भयंकर आग को पूर्ण रूप से बुझाया एवं आग को डीजल टैंक की और बढ़ने से रोक लिया गया।

यदि आग डीजल टैंक तक पहुंच जाती तो बहुत बड़ी क्षति होने की संभावना थी। पिछले हिस्से के टायरों को भी जलने से बचा लिया गया। मौके पर वाहनों की लम्बी कतारें लग गई थी जिन्हे रुड़की पुलिस द्वारा व्यवस्थित कर गंतव्य के लिए रवाना किया गया। तत्काल कार्रवाई एवं रिस्पांस टाइम की स्थानीय जनमानस द्वारा हरिद्वार पुलिस की प्रशंसा की गई। ट्रक स्वामी द्वारा आग से लाखों का नुकसान होना बताया गया है। उक्त लोडेड डंपर खटका से डडेरा पेट्रोल पंप की ओर जा रहा था कि अचानक ट्रक के केबिन में वायरो में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। किसी तरह ट्रक को सड़क पर रोक कर ड्राइवर ने नीचे कूद कर अपनी जान बचा ली।

घटनास्थल पर गई टीम का विवरण-

1 प्रभारी अग्निशमन अधिकारी रुड़की सुन्दरपाल
2 लीडिंग फायरमैन अतर सिंह राणा
3 चालक विपिन सिंह तोमर
4 फायरमैन हरीश राणा
5 फायरमैन विपिन सैनी
6 फायरमैन देवेन्द्र सिंह भण्डारी
7 फायरमैन सुरेश कुमार

कप्तान ने देर रात लगाई थानेदारों की क्लास

ड्रग्स ट्रैफिकिंग पर कप्तान ने जताई चिंता, रोकथाम के उपाय धरातल पर लागू करने पर दिया जोर

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

नशा तस्करी, महिला अपराधों, साइबर अपराध एवं यातायात प्रबंधन को लेकर गंभीर एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा अब से कुछ देर पहले देर रात वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनपद के सभी राजपत्रित एवं थाना पुलिस ऑफिसर्स के साथ गहन समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई।

इस दौरान श्री डोबाल द्वारा कड़ा रुख अपनाते हुए सभी ऑफिसर्स को अपने-अपने थाना क्षेत्र में अलर्ट रहते हुए पुलिस बल के मैक्सिमम यूटिलाइजेशन पर जोर दिया साथ ही जमानत पर छूटे अपराधियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के लिए संबंधितों को निर्देशित किया। मादक पदार्थ तस्करी पर बात करते हुए श्री डोबाल द्वारा अधिक से अधिक नशा तस्करों को पकड़ने व जनजागरुकता को महत्वपूर्ण बताया। प्रत्येक सप्ताह आबादी वाले क्षेत्रों में जनता को जागरूक करने के उद्देश्य से चौपाल लगाने पर जोर दिया। इस दौरान उनके द्वारा एसपी सिटी व एसपी देहात को पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी देते हुए सभी थाना क्षेत्र में चौपाल के

माध्यम से जनता का भरोसा जीतने एवं नशा तस्करी पर लगाम लगाने के निर्देश दिए।

थाने में अपनी फरियाद को लेकर आने वाले आगंतुकों के साथ पुलिस ऑफिसर द्वारा अच्छा व्यवहार न करने को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी द्वारा पुलिस ऑफिसर को सख्त लहजे में कहा गया कि अपने व्यवहार में सुधार करें और आगंतुकों के साथ शालीनता से व्यवहार करें। थाने पर आने वाले फरियादियों की समस्याओं का हर समय थाना स्तर पर समाधान किया जाए एवं उनकी एंट्री आगंतुक रजिस्टर में अवश्य हो।

रात्रि के समय थाना क्षेत्र में कोई घटना होने पर रात्रि अधिकारी को प्रत्येक दशा में घटनास्थल पर जाने के दिशा निर्देश दिए गए एवं घटनास्थल पहुंचकर वस्तु स्थिति से उच्चाधिकारों को अवगत कराएंगे, के निर्देश दिए गए। रात्रि के समय गस्त पिकेट ड्यूटी पर नियुक्त कर्मचारियों द्वारा अपनी ड्यूटी को सीरियसली न लेने को गंभीरता से लिया गया और समस्त थानाध्यक्षों को निर्देशित किया गया कि समस्त ड्यूटी कर्मियों को गस्त पर जाने से पहले भली भांति ब्रीफ किया जाए उसके बाद ही रवाना करें

जनपद में हुए विभिन्न एक्सीडेंट के मामले, वाहनों की बढ़ती संख्या एवं उनसे लगने वाले जाम का जिक्र करते हुए श्री डोबाल द्वारा मुख्यतः हरिद्वार एवं रुड़की शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए अधिक मेहनत से काम करते हुए उपस्थित अधिकारियों से सुझाव मांगे एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा सीओ ट्रैफिक को एक बेहतर कार्य योजना बनाते हुए कार्ययोजना को मूर्त रूप देने की जिम्मेदार दी। थाने या कार्यालय में आने वाले फरियादियों की समस्याओं को भली भांति सुनकर जो उचित करवाई है वह तत्काल की जाए। महिला फरियादियों की समस्या हेतु महिला कर्मियों को नियुक्त किया जाए इत्यादि

धामी की सत्ता से गदगद हैं उत्तराखण्डवासी

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून उत्तराखण्ड के केदारनाथ में उपचुनाव में मुख्यमंत्री ने उन सभी साजिशों को गहरे समुद्र के भवर मे फेंक दिया था जहां से वह बाहर ही न निकल पायें। मुख्यमंत्री ने केदारनाथ में ऐतिहासिक जीत दर्ज करके उन सभी राजनेताओं को आईना दिखा दिया है जो हमेशा मुख्यमंत्री बनने की दौड में खूब आगे बढ़े रहते थे? मुख्यमंत्री की मौजूदा दौर में अभेद राजनीति राज्यवासियों के लिए एक सुखद भाव दे रही है और उन्हें यह इल्म हो चुका है कि मुख्यमंत्री की स्वच्छ और पारदर्शी राजनीति का आईना देखकर भाजपा हाईकमान उन्हें एक लम्बे युग तक उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर आसीन रखेगा। उत्तराखण्ड की जनता अब यह कहने से नहीं चूक रही कि सीएम साहब आपका साथ है तोङ्ग..।

मुख्यमंत्री राजनीति के उस शिखर पर पहुंच रहे हैं जहां पहुंचने में बडे से बडे राजनेता को एक लम्बा युग बीत जाता है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बताये गुरूमंत्र पर सरकार चलाने का रास्ता अपनाया और यह रास्ता उन्हें हमेशा ऊंचे शिखर पर ले जाता हुआ दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री सबका साथ और सबका विकास के एजेंडे पर अपनी सरकार चला रहे हैं और उनकी इस रणनीति से विपक्ष की धार भी मुख्यमंत्री के सामने हमेशा कूंद होती हुई नजर आई है? मुख्यमंत्री बेदाग होकर सरकार चला रहे हैं लेकिन यह भी सच है कि उनके चंद मंत्रियों पर विपक्ष जिस तरह से उंगलियां उठा रहा है उससे मुख्यमंत्री के उत्तराखण्ड को 2०25 तक गुलजार करने के विजन को कहीं न कहीं धक्का लग रहा है? मुख्यमंत्री को भाजपा हाईकमान ने आक्रामक प्रचारक के रूप में अपनी टीम में शामिल किया हुआ है और देखने को मिलता रहा है कि जहां पर भी चुनाव हुये वहां भाजपा हाईकमान के आदेश पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आक्रामक प्रचार करते हुए विपक्ष को हमेशा यह कहकर चुनौती दी कि अगर किसी भी राज्य में कांग्रेस या उसके गठबंधन की सरकार बनी तो वहां भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच जायेगा? मुख्यमंत्री का आक्रामक प्रचार भाजपा के दिग्गज नेताओं को खूब रास आ रहा है और यही कारण है कि उत्तराखण्ड में मुख्यमंत्री की ताजपोशी एक लम्बे युग तक रहेगी इसमें कोई शंका नजर नहीं आती।

उत्तराखण्ड की राजनीति के बडे चाणक्य बनकर उभरे मुख्यमंत्री ने डबल इंजन सरकार के साथ राज्य के विकास को बडे पंख लगाने की दिशा मे जो काम किये उसी का परिणाम रहा कि उत्तराखण्ड मे केदारनाथ में हुये उपचुनाव में मुख्यमंत्री की रणनीति से बाबा की नगरी में कमल का फूल खिलने से कांग्रेस को एक बडा झटका लगा था। उत्तराखण्ड मे सत्ता चला रहे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आवाम की नजर मे एक धाकड़ मुख्यमंत्री के रूप मे उस समय अपनी पहचान बनाने मे सफल हो गये थे जब उन्होंने राज्य को आदर्श राज्य बनाने की दिशा मे अपने कदम आगे बढाये और अपराधियों, माफियाओं, नकल माफियाओं की नाक मे उन्होंने बडी नकेल डालने का सिलसिला शुरू किया था। मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड बनने के बाद से राज्य मे अभिशाप बन चुके लैंड और लव जिहाद को खत्म करने की दिशा मे जिस दिलेरी के साथ अपना हंटर चलाया उससे ऐसे जेहादियों मे खलबली मच गई थी और आज राज्य के अन्दर लव और लैंड जेहाद का शोर कहीं सुनने को नहीं मिल रहा है। मुख्यमंत्री आवाम के बीच प्रसिद्धि के जिस द्वार पर खड़े हो गये हैं वहां उनका राजनीतिक इकबाल बडे-बडे राजनेताओं की तर्ज पर दिखाई देने लगा है। उत्तराखण्ड से लेकर देशभर मे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का राजनीतिक इकबाल उस बुलंदी पर पहुंच चुका है जहां पहुंचने मे बडे-बडे राजनेताओं को एक लम्बा समय लग जाता है। मुख्यमंत्री ने सत्ता चलाने का जो गुरूमंत्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लिया था उस मंत्र से सरकार चलाने में आगे बढे पुष्कर सिंह धामी आज उत्तराखण्डवासियों की पहली पंसद बनकर उन्हें उत्तराखण्ड को अग्रणीय राज्य बनाने के लिए अपना खुला साथ दे रहे हैं।

शोपीस बने बस अड्डे को लेकर मोर्चा आया आगे

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

विकासनगर हरबर्टपुर में करोड़ों रुपए की लागत से बनाए गये बस अड्डे को शो पीस होने से बचाने के लिए मोर्चा टीम के साथ बस अड्डे का निरीक्षण करने पहुंचे जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने बस अड्डे का एकाकीपन/सूनापन देख इसे जनता का दुर्भाग्य करार दिया।

नेगी ने मौके पर सचिव परिवहन बृजेश संत से दूरभाष पर वार्ता कर समस्या से अवगत कराया। सचिव परिवहन ने कार्यवाही का आश्वासन दिया। नेगी ने कहा कि बस अड्डे से बसों का संचालन न होने की वजह से इसके बनाने का मकसद लगभग खत्म सा हो गया है यानी बस अड्डा यात्रियों के इंतजार में दम तोड़ रहा है। नाम मात्र के लिए उत्तराखंड परिवहन निगम की पांच-सात बसें अड्डे की परिक्रमा करने भर को आती हैं, जबकि सवारियां चौराहे से ही उठती हैं। नेगी ने कहा कि बस अड्डे पर सभी बसों का संचालन न होने से हरबर्टपुर चौराहे व आसपास लगने वाले जाम से भी जनता को निजात मिलेगी। आलम यह है कि आए दिन सुबह- शाम हरबर्टपुर में काफी देर तक जाम में लोग फंसे रहते हैं। मोर्चा बस अड्डे से ही बसों का संचालन कराकर दम लेगा। मोर्चा टीम में- महासचिव आकाश पंवार , दिलबाग सिंह, विजय राम शर्मा, सलीम मुजीबुर्रहमान , एम.ए. सिद्दीकी, हाजी असद ,प्रवीण शर्मा पिन्नी,संजय गुप्ता, अनुज अग्रवाल, नानक सिंह,अशोक ओमेगा, प्रमोद शर्मा, भीम सिंह बिष्ट, बॉबी गुप्ता ,अशोक कुमार, सलीम मिर्जा आदि मौजूद थे।

किसानों के लिये औषधीय पौधों की उन्नत कृषि व क्षमता संवर्धन कार्यशाला आयोजित

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

सहारनपुर ।राष्ट्रीय औषधीय पादक बोर्ड, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार एवं की आयुर्वेदिक औषधि कम्पनी इंडियन हर्ब्स स्पेशलिटीज कम्पनी के सहयोग से औषधीय पौधों की उन्नत कृषि व क्षमता संवर्धन के विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 120 कृषकों ने भाग लिया तथा जड़ी-बूटी की खेती एवं संवर्धन के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। गोचर महाविद्यालय में आयोजित कार्यशाला का उ द्घाटन डॉ० अरूण चन्दन क्षेत्रीय निदेशक राष्ट्रीय औषधीय पादक बोर्ड आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, सुधाकर अग्रवाल निर्देशक इंडियन हर्ब्स स्पेशलिटीज प्रा० लि०, डॉ० एस. के. उपाध्याय पर्यावरण विद्, चौ. तेज सिंह सचिव प्रबंध समिति गोचर महाविद्यालय, प्रोफेसर जे.पी सिंह उप प्रधानाचार्य, प्रोफेसर राजबीर सिंह चीफ प्रोक्टर एवं ग्रीन स्टूडेण्ट वेलफेयर ने दीप प्रज्जवलित कर सयुका रूप से किया।

इस कार्यशाला में क्षेत्रीय निदेशक डॉ० अरुण चन्दन ने जड़ी-बूटी की खेती एवं उसके क्षमता संवर्धन के विषय में कृषकों को विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। डॉ० एस.के. उपाध्याय ने गुणवत्तायुक्त जड़ी-बूटी की खेती करने के लिये किसानों को प्रोत्साहित किया तथा सहारनपुर एवं आस-पास के क्षेत्रों में जो जड़ी-बूटिया आसानी से उगाई जा सकती है उनके बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। कम्पनी के निदेशक सुधाकर अग्रवाल एंव बरिष्ठ किसान संजय सैनी ने जड़ी-बूटी की खेती के विषय में अपने अनुभव साझा किये।

भगवानपुर विधायक ममता राकेश ने डाडा जलालपुर में किया सड़क का उद्घाटन

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

भगवानपुर । विधायक ममता राकेश ने डाडा जलालपुर में सड़क का उद्घाटन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत करते हुए उनका आभार व्यक्त किया है। इस मौके पर विधायक ममता राकेश ने कहा कि जनता की मांग पर विकास कार्यों को किया जा रहा है। विधानसभा के हर गांव को सड़क सुविधा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा का कोई भी काम विकास से अछूता नहीं रहेगा। कहा कि विकास के मामले में भगवानपुर विधानसभा अव्वल है। घाड़ क्षेत्रों में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। किसानों के खेतों तक पक्की सड़क बनवाई जा रही है। उन्होंने ठेकेदार से कहा कि किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही कांग्रेस नेता अभिषेक राकेश ने कहा कि विधायक के नेतृत्व में अनेक विकास कार्य कराएं जा रहे हैं। ग्रामीणों के अनुरूप कार्य किए जा रहे हैं। इस दौरान शाहनवाज प्रधान, विकम सैनी, अभिमन्यु सैनी , सत्तर, राजबीर, सोनू,मुस्तकिम,इकबाल, सोम पाल, अलीम, संदीप, राजू सैनी, सजीव सैनी, आसीस सैनी,सोमपाल ,अरुण,रिजवान,मोशीन,आदि लोग मौजूद रहे ।

रुड़की में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ निकाली आक्रोश रैली

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

रुड़की में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ निकाली आक्रोश रैली में जिसमें जिला अध्यक्ष शोभाराम प्रजापति,प्रदेश उपाध्यक्ष मयंक गुप्ता, रुड़की विधायक प्रदीप बत्रा,भगवानपुर विधानसभा से लोकप्रिय नेता सुबोध राकेश और सभी पार्टी कार्यकताओं ने राष्ट्रपति के नाम दिया ज्ञापन ।बांग्लादेश मै कट्टर पंथीयों द्वारा हिन्दू पुरुषो महिलाओ बच्चों के साथ हो रही बर्बरता के खिलाफ आज आक्रोश रैली मै भाजपा जिला अध्यक्ष शोभाराम प्रजापति मयंक गुप्ता विधायक प्रदीप बत्रा एवं अन्य सम्मानित नेताओं के साथ पूर्व राज्य मन्त्री सुबोध राकेश ने प्रतिभाग किया. सुबोध राकेश ने कहा की कट्टरपंथी मानसिकता मानवता की विरोधी है. बांग्लादेश मै हो रही बर्बरता पर तुरन्त

रोक लगनी चाहिए. भारत सरकार को इस प्रकरण पर ठोस कार्यवाही करनी चाहिए और पीड़ित लोगो को इंसाफ दिला कर उनकी सुरक्षा की व्यवस्था करनी चाहिए.

मजिस्ट्रेट कार्यालय रुड़की में सड़क सुरक्षा से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

रूड़की। मंगलवार को मजिस्ट्रेट कार्यालय रुड़की में सड़क सुरक्षा से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता संयुक्त मजिस्ट्रेट रुड़की आशीष मिश्रा (आईएएस) ने की। इस दौरान बैठक में रुड़की और मंगलौर के क्षेत्राधिकारी पुलिस, एआरटीओ रुड़की, एजीएम रोडवेज रुड़की, ट्रैफिक इंस्पेक्टर रुड़की और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए कई अहम बिंदुओं पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने सड़क सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने, नियमों के सख्त पालन, ट्रैफिक सिग्नल की प्रभावशीलता, और सड़क पर वाहनों के अनियमित संचालन पर रोक लगाने के उपायों पर जोर दिया। इस दौरान मजिस्ट्रेट आशीष मिश्रा ने सभी संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए और यह सुनिश्चित करने को कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए निर्धारित उपायों का प्रभावी क्रियान्वयन हो। उन्होंने आम जनता को भी जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाने की बात कही, ताकि यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित हो सके। बैठक में अधिकारियों ने स्कूलों, कॉलेजों और समुदाय के अन्य क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाने, हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, और सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए सुझाव दिए।

कांग्रेस ने अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार से नाराज होकर किया प्रदर्शन

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचार और हिन्दू मंदिरों में हो रही तोडफोड़ के विरोध में कांग्रेस कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति को जिलाधिकारी द्वारा ज्ञापन प्रेषित किया गया ,उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बांग्लादेश की सरकार पर पर्याप्त कूटनीतिक दबाव न बनाने का आरोप लगाते हुए केन्द्र सरकार का पुतला दहन भी किया। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष डॉ जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि इस मामले में केंद्र सरकार ने पर्याप्त प्रयास नहीं किये। अगर बांग्लादेश की सरकार नहीं मानती तो बांग्लादेश पर तत्कालआर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएं।

गोगी ने कहा कि कांग्रेस परिवार बांग्लादेश

में हिंदुओं के साथ हो रहे बर्ताव से अत्यंत क्षोभ में है। कांग्रेस अपने निर्माण के समय से भारतीय उपमहाद्वीप में धर्मनिरपेक्षता और साम्प्रदायिक सौहार्द की सबसे प्रमुख पैरोकार रही है। साम्प्रदायिक शक्तियों के कृत्यों के कारण हुए देश के दुर्भाग्यपूर्ण बंटवारे के बाद जब देश में साम्प्रदायिक शक्तियों ने लोगों के मन में विद्वेष और घृणा भर रखी थी, कांग्रेस ने देश में सुशासन और धर्मनिपेक्ष शासन पर आधारित राजनीतिक व्यवस्था की स्थापना की जिसका देश को लाभ भी मिला। आज विश्व मे अनेक देशों में साम्प्रदायिक, कट्टरपंथी शक्तियां मजबूत हो रही हैं जिससे पूरी मानव सभ्यता को ही खतरा उत्पन्न हो गया है। हाल ही में बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ जो उत्पीड की घटनाएं हुई हैं, वे इसी वैश्विक प्रवृत्ति को परिलक्षित करती हैं। बांग्लादेशी हिंदुओं के इस संकटकाल में कांग्रेस कार्यकर्ता सरकार को अविलंब बांग्लादेश की सरकार, विश्व के प्रमुख देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों पर कूटनीतिक दबाव बनाकर बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे। उत्पीड कारी व्यवहार और उनके पूजास्थलों पर हो रही तोडफोड़ के कृत्यों पर रोक लगाने हेतु निर्देशित करें। आवश्यकता पड़े तो सरकार बांग्लादेश की सरकार के विरुद्ध आर्थिक प्रतिबंध और अन्य कार्रवाई करने में संकोच न करे।

जिलाधिकारी ने एफपीओ को अधिक संभावनाशील क्षेत्रों में कार्य करने के निर्देश दिए

एफपीओ को कोल्ड स्टोरेज और मंडी संचालन की पहल करने की सलाह

उत्तरकाशी,जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को जिले के किसानों के हित में अधिक संभावनाशील क्षेत्रों में कारगर ढंग से कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा है कि एफपीओ को कृषि एवं बागवानी उत्पादों के विपणन के लिए साथ ही कोल्ड स्टोरेज एवं मंडी के संचालन जैसी पहल करने की दिशा में भी आगे बढना चाहिए।

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) तथा राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड) के द्वारा समर्थित जिले के कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के कार्यों एवं उपलब्धियों की समीक्षा के लिए जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने कहा कि एफपीओ के माध्यम से

यह सुनिश्चित हो कि किसानों को न्यूतम कीमतों पर खाद, बीज, रसायन और अन्य कृषि निवेशों की सुविधा मिले और उनके उत्पादों का अधिकाधिक मूल्य प्राप्त हो। इसके लिए एफपीओ को विपणन की कारगर रणनीति तय करने के साथ ही, किसानों को खेती-बागवानी में नए तौर-तरीकों व तकनीकों की जानकारी व बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के साथ ही किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए लाभांश का वितरण करने जैसे कदम उठाने चाहिए। जिलाधिकारी ने एफपीओ को ऑनलाईन प्लेटफार्म्स व डिजीटल तकनीकों का इस्तेमाल कर उत्पादों की ब्रांडिंग व मार्केटिंग करने के निर्देश देते हुए कहा कि कि वह अपने प्रदर्शन में सुधार लाकर सदस्यों की संख्या एवं कारोबार को बढाने पर भी विशेष ध्यान दें। तभी यह संगठन आत्मनिर्भर बन सकेंगे और किसानों को अधिक लाभ प्रदान करने में सक्षम हो सकेगें। जिलाधिकारी ने कहा कि एफपीओ के प्रदर्शन में अपेक्षित सुधार न होने पर संबंधित कलस्टर आधारित व्यावसायिक संगठन (सीबीबीओ) के विरूद्ध कार्रवाई हेतु नाबार्ड एवं नाफेड के उच्चाधिकारियों को लिखा जाएगा। जिले में नाफेड के माध्यम से सभी विकास खंडों में कुल छः एफपीओ तथा नाबार्ड के द्वारा कुल चार एफपीओ संचालित किए जा रहे हैं। बैठक में इन सभी एपीओ के कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी एसएल सेमवाल, मुख्य उद्यान अधिकारी डॉ. डीके तिवारी, मुख्य कृषि अधिकारी सचिन कुमार, जिला सहायक निबंधक सहकारिता बीएस रावत, लीड बैक प्रबंधक राजीव कुमार, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक गुरूविंदर सिंह आहूजा सहित सीबीबीओ एवं एफपीओ के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रुद्रप्रयाग पुलिस ने चलाया जागरुकता अभियान, इंटर कॉलेज के बच्चो को किया जागरूक

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

रुद्रप्रयागः नशे के दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी देने हेतु एस पी रुद्रप्रयाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिस क्रम में आज मंगलवार को निरीक्षक मनोज नेगी प्रभारी साइबर क्राइम एवं एंटी नारको टास्क फोर्स रुद्रप्रयाग द्वारा अटल उत्कृष्ट इंटर कॉलेज ऊखीमठ में छात्र-छात्राओं एवं टीचिंग स्टाफ को साइबर क्राइम और ड्रग्स के दुष्प्रभावों की जानकारी देकर जागरुक किया गया। ड्रग्स के दुष्प्रभावों के प्रति जागरुक करते हुए जीवन में कभी नशा न करने तथा नशे के दुष्प्रभावों तथा इसके सेवन से हमारे स्वास्थ्य एवं समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के सम्बन्ध में जागरुक करते हुए जीवन में कभी भी नशा न करने तथा इससे दूरी बनाने हेतु प्रेरित किया गया, इसके साथ ही साइबर क्राइम एवं साइबर सुरक्षा से जुड़ी हुई बातों से अवगत कराते हुए सोशल नेटवर्किंग साइट की जानकारी एवं सोशल मीडिया पर बरती जाने वाली सावधानियां एटीएम/बैंक फ्रॉड, फेक लिंक, फ्रॉड कॉल, डिजिटल अरेस्ट व साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान कर जागरुक किया गया।

इस अवसर पर साइबर क्राइम और एंटी ड्रग्स से सम्बन्धित पम्पलेट और बुकलेट भी वितरित किए गए। जागरुकता कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य विष्णु प्रसाद किमोठी, अन्य टीचिंग स्टाफ और चौकी प्रभारी चोपता प्रभारी सतीश चंद्र शाह सहित अधीनस्थ स्टाफ उपस्थित रहा।

महिला को फेमस होने के लिए पुलिस की वर्दी पहनना पड़ा भारी

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

नैनीताल सोशल मीडिया के जमाने में हर कोई फेमस होना और पैसे कमाने की होड़ में लगा हुआ है।वही देवभूमि कहे जाने वाले उत्तराखंड के नैनीताल से ऐसा ही एक मामला सामने आया है जहाँ सोशल मीडिया में पुलिस की वर्दी के साथ अश्लील शब्दों में वीडियो बनाना महिला को भारी पड़ गया पुलिस ने गंभीर धाराओ में मुकदमा पंजीकृत किया है।

जानकारी के अनुसार थाना कालाढूंगी क्षेत्र में सोशल मीडिया में फेमस होने एवम पैसा कमाने हेतु उत्तराखंड पुलिस की वर्दी का दुरुपयोग करने व पुलिस की छवि को धूमिल करने हेतु ड्रामा कर गलत कंटेंट का प्रयोग करते हुए वीडियो यूट्यूब व इंस्टाग्राम में प्रचारित करने का मामला सामने आया है।

मामले में एसएसपी नैनीताल ने तत्काल संज्ञान लेते हुए थानाध्यक्ष कालाढूंगी पंकज जोशी द्वारा महिला के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 204 और 205 के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है।इसके साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से महिला की सभी आपत्तिजनक पोस्ट और वीडियो हटवाए गए हैं।पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान महिला ने बताया कि उसने यह वर्दी अमेजन से मंगवाई थी और सोशल मीडिया पर फेमस होने और ज्यादा पैसा कमाने के लालच में ऐसे वीडियो बनाना शुरू किया।

प्रहलाद नारायण मीणा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल द्वारा सोशल मीडिया पर फेमस होने के लिए गलत कंटेंट और अनुचित तरीकों का सहारा लेने वालों के खिलाफ लगातार सख्त कार्यवाही की जा रही है। नैनीताल पुलिस की सोशल मीडिया सेल पूरी तरह सतर्क है और ऐसे गतिविधियों पर पैनी नजर रख रही है।

मामला के बाद से ही एसएसपी नैनीताल ने आम जनता से अपील की है की कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया पर इस प्रकार की अवैध गतिविधियों में शामिल न हो, जिससे पुलिस विभाग या किसी अन्य सरकारी संस्था की छवि धूमिल हो। ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने माया ग्रुप ऑफ कॉलेज में दो दिवसीय कृषि विज्ञान मेले का किया शुभारंभ

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून मंगलवार को कृषि मंत्री गणेश जोशी ने सेलाकुई स्थित माया ग्रुप ऑफ कॉलेज में दो दिवसीय कृषि विज्ञान मेले का रिबन काटकर शुभारंभ किया।

इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को भी सम्मानित किया,इस दौरान कृषि मंत्री गणेश जोशी ने विश्वविद्यालय परिसर के हर्बल उद्यान एवं प्रयोग केंद्र में तुलसी के पौधे का रोपण भी किया। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने मेले के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय द्वारा कृषि विज्ञान मेले के आयोजन का मुख्य उद्देश्य किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना और उन्हें नई तकनीकियों, साधनों और कृषि से सम्बन्धित सरकारी योजनाओं की जानकारी देना है ताकि किसान आत्मनिर्भर बन सके।

कृषि मंत्री ने कहा उत्तराखण्ड की महत्वपूर्ण फसलों की उपज बहुत कम है जो उत्पादन को प्रभावित करता है,तो जरूरत है जमीनी हकीकत पर आधारित एक वैकल्पिक रणनीति तैयार करने की जो कृषि और संबंधित उद्यमों के लिए मजबूत हो,ऊंचाई और जलवायु में बदलाव फसल विविधीकरण के लिए प्राकृतिक लाभ प्रदान करते हैं।

कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश में धामी सरकार द्वारा भी कुछ चयनित फसलों की खेती को बढ़ावा देने की योजना बनायी है जैसे- बासमती, सुगंधित बासमती और औषधीय पौधे, सब्जियां, फूल, फल और दूध उत्पादन शामिल है। इस प्रकार, इस नयी नीति का उद्देश्य भोजन, पोषण और आजीविका को सुरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करना है। उन्होंने कहा कि आज हमारा देश कृषि के उत्पाद में दूसरे स्थान पर है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है, कि वर्ष 2030 तक हम विश्व के नंबर एक उत्पादक बनें, इसके लिए प्रदेश में जैविक खेती और प्राकृतिक खेती पर लगातार कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही नई तकनीक का भी उपयोग किया जा रहा है और उत्पादों को बढ़ाया जा रहा है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि आज हमारी सरकार छोटे और सीमांत किसानों, जिनके पास 2 हेक्टेयर से कम भूमि हो, को आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है, इस योजना के तहत सभी किसानों को न्यूनतम आय सहायता के रूप में प्रतिवर्ष 6 हजार

रुपए (तीन महीने में 2,000 रुपए) की राशि प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि माया देवी विश्वविद्यालय कृषि क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है और इस ग्रुप द्वारा आयोजित कृषि विज्ञान मेला किसानों और वैज्ञानिकों के बीच ज्ञान साझा करने का एक प्रभावशाली मंच है,उन्होंने कहा कि कृषि हमारे देश और उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था की नींव है। देश में कृषि के माध्यम से ही आत्मनिर्भरता लाई जा सकती है।

कृषि क्षेत्र के विकास के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। फसल उत्पादन में सुधार और 2025 तक हमारे किसान भाइयों की आय दोगुनी करना हमारा लक्ष्य है और इस दिशा में हम निरंतर प्रयासरत हैं,कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि इस तरह के आयोजन को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। कृषि मंत्री जोशी ने छात्र-छात्राओं से ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को नई तकनीक से कृषि के बारे में जानकारी प्रदान करने का आव्हान भी किया।इस अवसर पर विधायक मुन्ना सिंह चौहान, विश्वविद्यालय अध्यक्ष एमएली तिवाल, उपाध्यक्ष-डॉ० त्रिप्ति जुयाल सेमवाल, आशीष सेमवाल, डॉ० मीनाक्षी तिवारी, डॉ० हिमांशु पाठक, जुयाल सेमवाल, कुलपति सी सिंह, डॉ.मनोज पाण्डे, जे०पी० मैठाणी, आशीष डबराल, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

टिहरी झील में वाटर स्पोर्ट्स कप पर खेल मंत्री ने दी अहम जानकारी !

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

टिहरी गढ़वालः स्थित उत्तराखण्ड सरकार में युवा कल्याण एवं खेल मंत्री रेखा आर्या ने टिहरी गढ़वाल पहुंचकर टिहरी झील में होने वाले चार दिवसीय ह्लतीसरे वाटर स्पोर्ट्स कपह्व का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया । इस दौरान खेल मंत्री रेखा आर्या ने अपने संबोधन में कहा राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी प्रदेश के लिए गौरव का विषय है और हम पूरे विश्वास के साथ कह सकते हैं जो व्यवस्था इस राष्ट्रीय खेलों के लिए इस पहाड़ी प्रदेश ने विकसित की है वह देश के किसी पहाड़ी राज्य में नहीं हैं। आगे अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जो खेलों का इंफ्रास्ट्रक्चर हमने तैयार किया है वह अवस्थापना हम सिर्फ. राष्ट्रीय खेलों के लिए ही नहीं है बल्कि उत्तराखंड को देवभूमि के साथ-साथ खेल भूमि की ओर अग्रसर करने के लिए भविष्य

में उपयोग करेंगे और राष्ट्रीय खेलों के बाद उत्तराखंड को देश में अलग स्थान मिलेगा जिससे उत्तराखण्ड पूरे देश में खेलों के हब के रूप में स्थापित होगा । उत्तराखण्ड राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी के लिए वर्ल्डक्लास व्यवस्थाओं के साथ तैयार है।साथ ही खेल मंत्री ने 35 वीं सीनियर महिला व पुरुष राष्ट्रीय कैनो झ्र स्प्रिंट चैंपियनशिप 2024 में देश भर से पहुंचे खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के लिए अपनी अग्रिम शुभकामनाएँ दी और उम्मीद जताई है कि देश और प्रदेश के खिलाड़ी इस प्रतियोगिता से राष्ट्रीय खेलों से ओलम्पिक्स तक का सफर तय करेंगे ।मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि राष्ट्रीय खेलों के महत्वपूर्ण आगाज से पूर्व टिहरी में 35वीं सीनियर राष्ट्रीय कैनो झ्र स्प्रिंट चैंपियनशिप का होना इस बात का संकेत हैं कि आगामी राष्ट्रीय खेलों के कैनोइंग और कायाकिंग खेल का आयोजन टिहरी झील का सम्पूर्ण उपयोग कर इस पहाड़ी जनपद में होगा जिसके लिए हम टिहरी वासियों को शुभकामनाएं देती हूं।

समारोह के उपरांत खेल मंत्री रेखा आर्या ने 35 वीं सीनियर राष्ट्रीय कैनो झ्र स्प्रिंट चैंपियनशिप 2024 का फ्लैग दिखाकर शुरूआत की और इसके बाद खेल मंत्री रेखा आर्या ने स्वयं भी कैनोइंग कर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया और खिलाड़ियों को आगमी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दी।इस मौके पर खेल मंत्री रेखा आर्या के साथ देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी, प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी, जिला अध्यक्ष टिहरी गढ़वाल राजेश नौटियाल, टीएचडीसी के निदेशक शैलेंद्र सिंह, इंडियन कयाकिंग एंड कैनोइंग एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रशान्त कुशवाह और उत्तरांचल ओलम्पिक संघ के सचिव डी. के. सिंह समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे।

शिशु मृत्यु दर में कमी के लिए एमएनसीयू वार्ड की योजना

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

सहारनपुर । जिलाधिकारी मनीष बंसल ने जिले में नवजात शिशु मृत्यु दर कम करने के लिए सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला महिला चिकित्सालय में मदर न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एमएनसीयू) वार्ड स्थापित करने की योजना बनाई है।एमएनसीयू वार्ड आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे और मां व नवजात को एक साथ रखते हुए उपचार किया जाएगा। इस कार्य में कम्यूनिटी एम्पावरमेंट लैब का तकनीकी सहयोग लिया जाएगा। सभी एमएनसीयू वार्ड निर्माण कार्य जनवरी तक पूरा करने का निर्देश दिया गया है। 26 जनवरी को तैयार अस्पतालों को सम्मानित किया जाएगा।

जूडो प्रतियोगिता मे पदक जीतने पर जूडो छात्रावास के खिलाड़ियों को सम्मानि किया गया

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

सहारनपुर । सब जूनियर जूडो बालक प्रतियोगिता में जूडो छात्रावास के खिलाड़ियो के पदक जीतकर अपने खेल का परचम लहरा दिया। पदक जीतने पर विजेता खिलाड़ियो को सहारनपुर मंडल के क्रीडाधिकारी अनिमेष सक्सेना ने सम्मानित कर उज्जवल भविष्य की कामना की। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में प्रदेशीय सब जूनियर जूडो प्रतियोगिता का आयोजन 06 से 08 दिसम्बर, 2024 तक किया गया। जिसमे जूडो छात्रावास के खिलाडियों ने प्रतिभाग कर अपने खेल का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता मे जूडो छात्रावास के गौरव ने 50 किग्रा भार वर्ग में गोल्ड मैडल, माधव भटट ने 45 किग्रा0 भार वर्ग में सिल्वर मैडल, गौरव यादव ने 55 किग्रा0 भार वर्ग में सिल्वर मैडल, मो0 रोहिल ने 60 किग्रा भार वर्ग में सिल्वर मैडल, करन ने 35 किग्रा0 भार वर्ग में ब्राउंज मेडल जीतकर अपने खेल का परचम लहरा दिया। सहारनपुर आगमन पर विजेता खिलाड़ियो को डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम, सहारनपुर मे आयोजित सम्मान समारोह सहारनपुर मंडल के क्रीडाधिकारी अनिमेष सक्सेना ने सम्मानित कर उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होने कहा कि प्रदेश स्तर पर पदक जीतकर जूडो छात्रावास के खिलाडियों ने अपने खेल का परचम लहराया है। जूडो छात्र-ावास के विजेता खिलाडियों को शिवनंदन, एथलेटिक्स कोच लाल धर्मेन्द्र प्रताप, कुश्ती कोच आदेश कुमार, बृजेश कुमार आदि ने शुभकामनाएं देकर खुशी व्यक्त की।

धूमधाम व हर्षोल्लास से मनायी गयी। 5161वी जयंती

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

सहारनपुर। श्री कृष्ण कृपा जिओ गीता परिवार के तत्वावधान में आज एक भव्य शोभायात्रा गीता जी की पालकी यात्रा निकालकर गीता जी की 5161वीं जयंती धूमधाम व हर्षोल्लास से मनायी गयी। गीता पालकी का आयोजन माधोनगर स्थित कमल छाबड़ा के निवास श्री कृष्ण कृपा कुंज से प्रारंभ किया गया। उक्त शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए दरबार ब्लॉक मंदिर श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में विश्राम किया गया। शोभायात्रा में सबसे आगे धर्म ध्वज संस्था का बैनर गणेश जी का रथ ढोल बैंड गीता जी के श्लोक लिखी विचार गीता माता की भव्य पालकी सभी के लिए भजनों का रथ के माध्यम से गीता माता की जय हो भारत माता की जय जागरण करते हुए भजन लगाए गए। शोभायात्रा के दौरान वातावरण भक्तिमय बना रहा। पालकी गीता माता की शोभायात्रा को दूरभाष के आशीर्वाद देते हुए पूज्य गुरुदेव गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि सभी को 5161वीं गीता जयंती की बहुत-बहुत शुभकामनाएं सभी के जीवन में गीता जी आए सभी गीता अनुसार जीवन जिए सीखी जीने का ढंग जी गीता के संग उन्होंने कहा कि आज तनाव भरी दुनिया में समाधान केवल गीता जी ही है। शोभायात्रा को मुख्य रूप से श्री अतुल जोशी जी पवन कुमार राजकुमार विज अजय मलिक कमल छाबड़ा द्वारा संभोदित किया गया। शोभायात्रा में मुख्य रुप से सचिन छाबरा सुदर्शन जुनेजा श्याम छाबड़ा, मुकेश, रवि, सुरेश, रवि, संजय, संदीप विज, अजय कुमार, संदीप गोयल, अशोक, विनय दहूजा, राजकुमार विज, राजन खुंगर, सुनील मखीजा, श्रवण नागपाल, विजय मल्होत्रा, सतपाल चुग, अशोक आहूजा, अशोक बजाज, संदीप शर्मा, संजय, रवि, अमरपाल, अशोक नरूला, कीमती लाल, राजू गिरधर, संजीव सेठ, राजीव, अर्थव राणा, गौरव मिश्रा, प्रवीण ठकराल सहित भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सेहत को संवारें गहरी नींद से

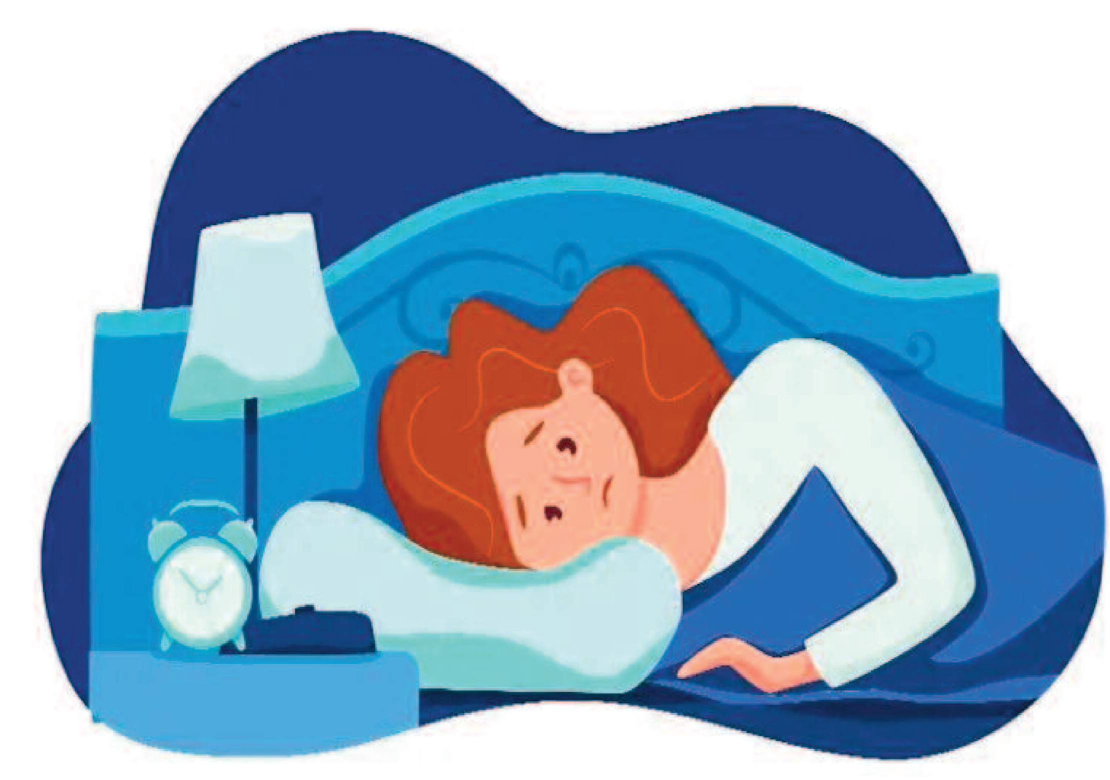

तन-मन सेहतमंद रखने के लिए पर्याप्त नींद लेना बेहद महत्वपूर्ण है। अध्ययन सबूत हैं कि पूरी नींद लेने वाले बच्चे अन्य बच्चों की तुलना में अधिक शांत, सौम्य व संयमित थे। गहरी नींद से इम्यूनिटी बढ़ती है। खास बात कि नींद-चक्र बिगाड़ने में बदली जीवनशैली की बड़ी भूमिका है।

सूरज डूबते ही नींद से बोझिल होने वाली पलकें बदले परिवेश में रात भर जगने की अभ्यस्त होती जा रही हैं। कहीं कार्य का अतिरिक्त बोझ, तो कहीं देर रात तक सोशल मीडिया खंगालने अथवा दोस्तों से चैटिंग करने की लत। विवेकपूर्वक विचारें तो पर्याप्त नींद लेना शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। भरपूर निद्रा न केवल हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत करती है, अपितु मस्तिष्क को भी स्वस्थ तथा सक्रिय बनाए रखने में मददगार सिद्ध होती है। विशेषज्ञों के अनुसार, रातभर में 7 से 9 घंटे की नियमित नींद लेना अनिवार्य है।

बाल व्यवहार पर असर

इस बारे में बच्चों पर किया गया एक अध्ययन बताता है कि अच्छी नींद बच्चों में भावनात्मक तथा व्यावहारिक नियंत्रण का परस्पर तालमेल बढ़ाने में सहायक बनती है। अन्य बच्चों की तुलना में वे मानसिक रूप से अधिक सुदृढ़ होने के साथ तनावमुक्त भी रहते हैं। अमेरिका की पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकताओं ने 6 वर्ष के 143 बच्चों की नींद व व्यवहार पर आधारित आंकड़ों का विश्लेषण किया। अध्ययन के दौरान पाया गया कि पूरी नींद लेने वाले बच्चे अन्य बच्चों की तुलना में व्यक्तिगत व्यवहार व भावनाओं को लेकर अधिक शांत, सौम्य व संयमित थे। कम नींद लेने वाले अथवा सोते समय बार-बार जगने वाले बच्चों के आचरण में आवेग व निराशा समाविष्ट होने के साथ, व्यवहार तथा भावनाओं पर भी कम नियंत्रण देखने में आया। जर्नल ह्यपीडियाट्रिक्सह्र में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, सही पैरेंटिंग निदेर्शों ने बच्चों के जन्मोपरान्त, उनके सोने की दिनचर्या तथा नींद के व्यवहार को विकसित करने में मदद की। अध्ययन के दौरान सामने आया कि बच्चों के बड़े होने पर भी इन चीजों का सकारात्मक प्रभाव उनकी जीवनशैली पर पड़ता है, जो कि दीर्घकाल तक बना रहता है।

नींद चक्र बिगड़ने के कारक

परिवर्तित जीवनशैली के दृष्टिगत बढ़ती आयु अथवा अस्वस्थता के अलावा भी देखें तो अधिकतर मामलों में नींद चक्र लगातार घटता नजर आएगा। इसके अनेक कारण हैं, जिनमें प्रमुख है इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स का लिमिट से ज्यादा प्रयोग। फोन में लोग घंटों नजरें गड़ाए रखते हैं। दूसरा बड़ा कारण है, तनाव बढ़ना। कार्य व व्यक्तिगत जीवन संतुलित बनाए रखने के प्रयास में आज लोग कम उम्र में ही तनाव का शिकार हो रहे हैं। तीसरा है, खानपान संबंधी गलत आदतें, जो निद्रा चक्र बाधित करती हैं।

मानसिक सेहत पर प्रभाव

अपर्याप्त निद्रा अथवा आवश्यकता से अधिक सोना, दोनों ही स्थितियां हानिकारक हैं। अतिनिद्रा प्रमाद की जन्मदात्री है तो नींद की कमी हमारी कार्यक्षमता कम कर डालती है। नींद की कमी तनाव व अवसाद में बढ़ोतरी कर सकती है। शरीर के साथ मस्तिष्क को भी चार्ज होने के लिए पर्याप्त नींद चाहिए, इसके अभाव में याद्दाश्त कम होने लगती है। उनींदापन निर्णय-क्षमता को काफी हद तक प्रभावित करता है। तन-मन पर हावी थकान से आत्मविश्वास डगमगाने लगता है, भ्रम पैदा होने लगता है। नेशनल स्लीप फाउंडेशन के मुताबिक, प्रतिदिन 6 घंटे या उससे कम सोने पर वाहन दुर्घटना होने की संभावना तीन गुणा बढ़ सकती है।

इम्यूनिटी में शिथिलता

नींद की कमी का सर्वाधिक प्रभाव हमारे रक्त-बहाव पर पड़ता है, जोकि हाई बीपी, मधुमेह, हृदयाघात, स्ट्रोक जैसे रोगों की उत्पत्ति का कारण बन सकता है। नींद की कमी से प्रतिरक्षा प्रणाली शिथिल पड़ने लगती है। असंतुलित भूख, पाचन विकार, मोटापा आदि के चलते बार-बार बीमार होने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। भरपूर नींद न मिलने का स्किन हेल्थ पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है।

बाल व्यवहार पर असर

इस बारे में बच्चों पर किया गया एक अध्ययन बताता है कि अच्छी नींद बच्चों में भावनात्मक तथा व्यावहारिक नियंत्रण का परस्पर तालमेल बढ़ाने में सहायक बनती है। अन्य बच्चों की तुलना में वे मानसिक रूप से अधिक सुदृढ़ होने के साथ तनावमुक्त भी रहते हैं। अमेरिका की पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकताओं ने 6 वर्ष के 143 बच्चों की नींद व व्यवहार पर आधारित आंकड़ों का विश्लेषण किया। अध्ययन के दौरान पाया गया कि पूरी नींद लेने वाले बच्चे अन्य बच्चों की तुलना में व्यक्तिगत व्यवहार व भावनाओं को लेकर अधिक शांत, सौम्य व संयमित थे। कम नींद लेने वाले अथवा सोते समय बार-बार जगने वाले बच्चों के आचरण में आवेग व निराशा समाविष्ट होने के साथ, व्यवहार तथा भावनाओं पर भी कम नियंत्रण देखने में आया। जर्नल ह्यपीडियाट्रिक्सह्र में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, सही पैरेंटिंग निदेर्शों ने बच्चों के जन्मोपरान्त, उनके सोने की दिनचर्या तथा नींद के व्यवहार को विकसित करने में मदद की। अध्ययन के दौरान सामने आया कि बच्चों के बड़े होने पर भी इन चीजों का सकारात्मक प्रभाव उनकी जीवनशैली पर पड़ता है, जो कि दीर्घकाल तक बना रहता है।

देवबंद में सड़क हादसा ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आकर दो युवक गंभीर रूप से घायल

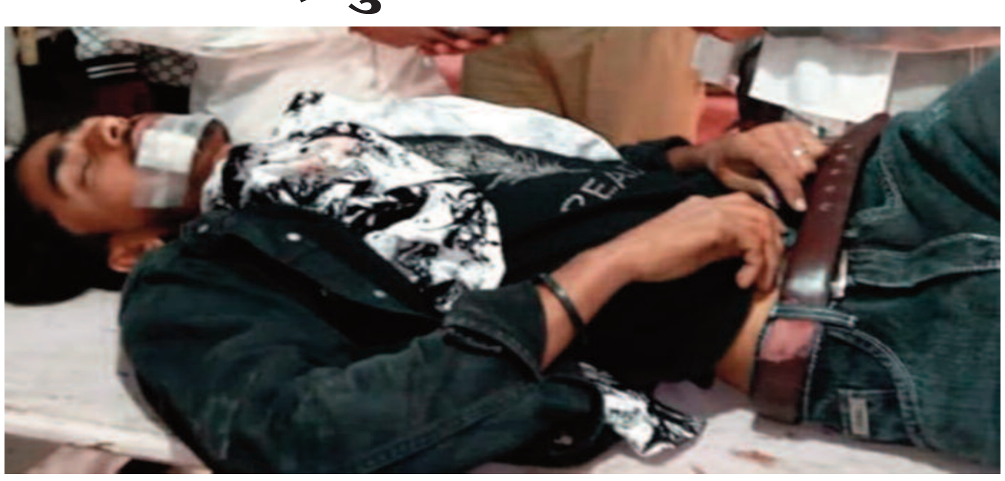

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

देवबंद। ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आ जाने के कारण बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए दोनों को नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से उनकी हालत गंभीर होने के कारण हायर सेंटर पेपर कर दिया गया दोनों विवाह समारोह में शामिल होने जा रहे थे और हादसे का शिकार हो गया मंगलवार को गांव इमलिया निवासी दीपक पुत्र योगेंद्र और सुहैल पुत्र फाजिल बाइक पर सवार होकर अब्दुल्लापुर थाना छपार जनपद मुजफ्फरनगर में एक परिचित के यहां हो रहे विवाह समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। जैसे ही वह सांपला रोड पर ईंट भटटे के निकट पहुंचे तो सामने से आ रही ट्रैक्टर ट्रॉली ने बाइक को चपेट में ले लिया। जिसमें दोनों दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर ट्राली चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को उपचार के लिए देवबंद सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

कोतवाल सुनील नागर ने बताया अभी इस मामले में तहरीर हासिल नहीं हुई है तहरीर मिलने के बाद तथ्यों के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एसडीएम ने बिना प्रपत्रों के खनन से भरा एक वाहन पकड़ कर पुलिस को सौंपे

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

बेहट। अवैध खनन को रोकने के लिए जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा दिए गए निर्देश के बाद उप जिलाधिकारी मानवेन्द्र सिंह ने सघन चेकिंग अभियान शुरू कर दिया हैं। इस क्रम में गांव कलसिया तिराहे पर एसडीएम मानवेन्द्र एवं सीओ अभितेष ने के चैकिंग अभियान चलाते खनिज से भरी गाड़ियों को रोककर चैक की गई जिसके चलते एक खनन से भरे वाहन बिना प्रपत्रो व ओवरलोड मिलें। जिनको पकड़ कर बेहट पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया तथा पकड़े गए वाहनों की रिपोर्ट संबंधित विभाग को रिपोर्ट भेजी गई है। एसडीएम मानवेन्द्र सिंह ने बताया कि जिस स्टोन क्रेशर से खनन भरवा कर अवैध रूप परिवहन किया जा रहा हैं जांच पड़ताल कर उस के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

सनी देओल ने अपने पापा जी को दी शुभकामनाएं

मुंबई

बालीवुड के सुपरस्टार धर्मेंद्र आज अपना 89वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर इंस्टाग्राम के जरिए सनी देओल ने अपने पापा जी को शुभकामनाएं दी हैं। कुछ तस्वीरों के साथ सनी देओल ने पिता धर्मेंद्र को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी है।

तस्वीरों की इस रील के बैकग्राउंड में हैप्पी बर्थडे धुन सुनाई दे रही है। कैप्शन में लिखा है हैप्पी बर्थडे पापा, मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं। सनी के इस पोस्ट में कुछ फोटो उस दौरान की हैं जब सनी देओल बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले थे। सनी के पोस्ट पर फैंस की ओर से सुपरस्टार धर्मेंद्र को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी जा रही हैं। 89 के धर्मेंद्र इस उम्र में भी काफी सक्रिय हैं। अक्सर अपना रूटीन फैंस संग शेयर करते रहते हैं। कुछ दिन पहले ही विदेश में थे वहां से लौटे तो तुरंत अपडेट दिया कि वो लौट आए हैं। धर्मेंद्र ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर करते हुए फैंस को यह जानकारी साझा की थी कि वह बहुत खुश हैं कि वह अपनी मातृभूमि लौट आए हैं। उनका एक और पोस्ट चर्चा के केंद्र में रहा था। उन्होंने अपने फैंस का शुक्रिया अदा करते हुए कहा था-मेरा नाम धर्मेंद्र मेरे पिता ने रखा था। लेकिन आप लोगों ने इतना प्यार दिया और मुझे हीमैन बना दिया।

सुभाष घई की हालत में सुधार है: प्रवक्ता

मुंबई

बांद्रा के लीलावती अस्पताल में भर्त फिल्म निमार्ता सुभाष घई की हालत में अब सुधार है। यह जानकारी उनके प्रवक्ता ने दी। सुभाष घई के प्रवक्ता ने कहा कि निर्देशक को नियमित जांच के लिए भर्ती कराया गया है।

उन्होंने कहा, हम पुष्टि करना चाहते हैं कि सुभाष घई बिल्कुल ठीक हैं। उन्हें नियमित जांच के लिए भर्ती कराया गया है और उनकी हालत में सुधार है। आप सभी के प्यार और चिंता के लिए धन्यवाद। इससे पहले, अस्पताल ने एक बयान में बताया वह पहले से इस्केमिक हृदय रोग के मरीज रहे हैं और हाल ही में हाइपोथायरायडिज्म का पता चला था। उन्हें डॉ. रोहित देशपांडे की देखरेख में आईसीयू में भर्ती कराया गया था। सुभाष घई ने बॉलीवुड में एक अभिनेता के रूप में अपना करियर शुरू किया। उन्होंने तकदीर और आराधना जैसी फिल्मों में छोटी भूमिकाएं कीं। बाद में उन्होंने उमंग और गुमराह जैसी फिल्मों में मुख्य भूमिकाएं निभाईं। हालांकि, एक अभिनेता के रूप में उनके करियर को बहुत सफलता नहीं मिली जिसके बाद उन्होंने निर्देशन की ओर रुख किया।

उन्हें कालीचरण, विश्वनाथ, कर्ज, हीरो, विधाता, मेरी जंग, कर्मा, ह्यराम लखन, सौदागरह्र, खलनायक, परदेस और ताल जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

रोहित के खराब फार्म पर उठे सवाल

मुम्बई

भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया में जारी बॉर्डर गावस्कर सीरीज में जीत से शुरूआत की थी ओर पहले टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन किया था लेकर दूसरे टेस्ट में टीम की हार के साथ ही सीरीज बराबरी पर आ गयी है। पहले टेस्ट में कप्तान रोहित शर्मा टीम में शामिल नहीं थे। ऐसे में जसप्रीत बुमराह ने कप्तानी की थी। दूसरे टेस्ट से रोहित ने टीम में वापसी की जिसमें उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी पर रोहित भी अन्य बल्लेबाजों के साथ ही रन बनाने में विफल रहे , ऐसे में उनकी फार्म पर भी सवाल उठने लगे हैं। जिससे भारतीय टीम पूरे 90 ओवर भी नहीं खेल पायी। भारत की बल्लेबाजी विफल रही और टीम एक भी बार 200 रनों तक भी नहीं पहुंच पायी। अब तीसरा टेस्ट दोनो ही टीमों के लिए अहम रहेगा। रोहित इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी रन नहीं बना पाये थे और भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

ऐसे में रोहित से उम्मीद थी कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे में अच्छी शुरूआत करेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। वह कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों में ही असफल रहे। पिछली 10 टेस्ट में मैचों में वह केवल एक बार ही पचास रन तक पहुंच पाये हैं। ऐसे में अब उनके खेल पर भी सवाल उठने लगे हैं। यहां तक कहा जा रहा है कि उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलनी चाहिये। इन हालातों में भी रोहित को बाहर रखना संभव नहीं है क्योंकि अभी भारतीय टीम के पास उनका कोई विकल्प नहीं है। टीम में अन्य कोई सलामी बल्लेबाज उनके जितन अनुभवी नहीं है।

तीसरे टेस्ट के लिए संभावित टीम

यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी या हर्षित राणा या आकाश दीप, मोहम्मद सिराज।

रोहित से तीसरे टेस्ट में पारी की शुरूआत कराना सही नहीं : डोड्डा गणेश

मुम्बई

भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज डोड्डा गणेश ने कहा है कि तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में कप्तान रोहित शर्मा से पारी की शुरूआत कराना सही नहीं होगा। भारतीय टीम के कप्तान रोहित दूसरे टेस्ट में मध्यक्रम पर उतरे थे और उसमें असफल रहे थे। ऐसे में कुछ दिग्गजों का ये भी मानना है कि रोहित अनुभवी सलामी बल्लेबाज हैं, इसलिए पारी उनसे ही शुरू करने को कहना चाहिये। वहीं डोड्डा का कहना है कि इस प्रकार की गलती नहीं करनी चाहिये क्योंकि रोहित फार्म में नहीं है जिससे उनका मनोबल भी घट हुआ है। ऐसे में उन्हें पारी शुरू करने को कहना जोखिम भरा होगा। इस पूर्व क्रिकेटर ने सोशल मीडिया पर कहा कि रोहित पहले से ही आत्मविश्वास और रन की कमी से जूझ रहे हैं और ऐसे में उनसे गाबा में पारी शुरू करने का आग्रह करना मूर्खतापूर्ण होगा। ये सीरीज उपमहाद्वीप में नहीं खेली जा रही है जहां वह असानी से कुछ रन बना सकें। वैसे भी ऑस्ट्रेलिया में रोहित का रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है।

उनका यहां औसत 30 ही है। एक सलामी बल्लेबाज के रूप में उनका औसत 37.8 है पर वह इस जगह पर ज्यादा बढ़ी पारियां नहीं खेल पाए हैं। अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गाबा की पिच भी अलग तरीके की चुनौतियां लेकर आएगी। ब्रिस्बेन पिच पर उछाल और गति पर पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क के नेतृत्व वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शानदार प्रदर्शन किया था। ऐसे ट्रैक पर भारतीय बल्लेबाजों से सटीक फुटवर्क की मांग होनी थी पर ऐसा हो नहीं पाया। रोहित की खराब फॉर्म ने चिन्ता को और बढ़ा दिया है। वह पहले टेस्ट से बाहर रहे थे जबकि दूसेर टेस्ट में केवल 3 और 6 का स्कोर ही बना पाए थे। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी वह असफल रहे थे।

तीसरे टेस्ट में हर्षित की जगह कृष्णा को शामिल करें : हरभजन

मुम्बई

भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के तीसरे टेस्ट में तेज गेंदबाज हर्षित राणा की जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा हैं को शामिल किया जाना चाहिये। हरभजन का कहना है कि हर्षित दूसरे टेस्ट में प्रभावित नहीं कर पाये हालांकि उन्होंने पहले टेस्ट में चार विकेट लिए थे। हरभजन के अनुसार एडिलेड ओवल के खिलाफ दूसरे मैच में हर्षित मार्नस लाबुशेन और ट्रैविस हेड पर अंकुश नहीं लगा पाये और उनकी गेंदों पर काफी रन बने।

वहीं रोहित शर्मा इससे सहमत नहीं हैं उनका कहना है कि किसी खिलाड़ी का दो टेस्ट के आधार पर आंकलन नहीं किया जा सकता है। रोहित ने हर्षित का बचाव करते हुए कहा कि उसने कोई गलती नहीं की है। ऐसे में उसको कैसे बाहर कर दें। साथ ही कहा, सिर्फ दो मैचों के बाद खिलाड़ियों को बाहर करना सही नहीं है। वह सिस्टम में नए हैं पर पहले टेस्ट में उन्होंने अच्छी गेंदबाजी कर अपनी प्रतिभा दिखायी है। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने दूसरे मैच में उनके अनुभव की कमी का फायदा उठाकर रन बनाये और ऐसा किसी भी नये खिलाड़ी के साथ भी हो सकता है। मुझे लगता है कि हमें अपने खिलाड़ियों का समर्थन करने की जरूरत है। दूसरी ओर हरभजन राणा को एक और मैच खिलाये जाने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा, मैं पहले टेस्ट के लिए उनके पक्ष में नहीं था, लेकिन टीम प्रबंधन ने उन्हें आगे बढ़ाया। आपके पास बेंच पर बैठे कृष्णा हैं और उन्हें तीसरे टेस्ट में मौका मिलना चाहिए। वह अच्छे गेंदबाज हैं।

आमिर ने की सितारे जमीन पर के बारे में बड़ी घोषणा

मुंबई

अभिनेता आमिर खान ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म सितारे जमीन पर के बारे में बड़ी घोषणा की है। आमिर ने सऊदी अरब के जेद्दा में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के दौरान जानकारी दी कि पहले यह फिल्म 2024 के क्रिसमस पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे 2025 के मध्य तक सिनेमाघरों में लाने की योजना बनाई गई है। उन्होंने बताया कि फिल्म इस महीने के अंत तक पोस्ट-प्रोडक्शन में जाएगी। सितारे जमीन पर को 2007 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म तारे जमीन पर का आध्यात्मिक सीक्वल बताया जा रहा है। हालांकि, इसमें पूरी तरह नए किरदार और कथानक होंगे। आमिर खान ने कहा, यह फिल्म तारे जमीन पर की भावनाओं और संदेश को आगे बढ़ाती है। जहां पिछली फिल्म ने बच्चों में छिपी अनोखी प्रतिभा और उनकी कमजोरियों को समझने की बात की थी, वहीं सितारे जमीन पर उन विचारों को और गहराई से पेश करेगी। यह फिल्म दर्शकों के दिलों को छूने और उन्हें प्रेरित करने का वादा करती है। आमिर ने इस बात पर जोर दिया कि तारे जमीन पर ने बहु-बुद्धि की अवधारणा और समाज में दूसरों को जल्दी से आंकने की प्रवृत्ति जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया था। नई फिल्म इन्हीं मूल विचारों को और विस्तार देगी। आमिर ने कहा, हम सभी में कमजोरियां होती हैं, लेकिन साथ ही हमारे अंदर ऐसी खूबियां भी होती हैं जो हमें खास बनाती हैं। सितारे जमीन पर इन्हीं पहलुओं को और गहराई से दिखाएगी। 2007 की फिल्म तारे जमीन पर में आठ साल के ईशान की कहानी दिखाई गई थी, जो डिस्लेक्सिया जैसी समस्या से जूझता है।

फिल्म में आमिर ने कला शिक्षक की भूमिका निभाई थी, जो बच्चे को उसकी वास्तविक क्षमता का एहसास कराता है। इस फिल्म ने दर्शकों और आलोचकों दोनों का दिल जीता और इसे राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। आमिर खान को आखिरी बार 2022 में लाल सिंह चड्ढा में देखा गया था। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। इसके बाद आमिर ने अभिनय से ब्रेक लेकर खुद को सितारे जमीन पर के निर्माण और निर्देशन में पूरी तरह झोंक दिया। फिल्म से दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं।

ढिल्लों के साथ मलाइका अरोड़ा ने किया परफार्मस, लगाया गले

मुंबई

पंजाबी गायक एपी ढिल्लों के मुंबई में भावपूर्ण प्रदर्शन ने उनके प्रशंसकों को उत्साहित कर दिया। बॉलीवुड की मशहूर गायिका और छैया छैया गर्ल मलाइका अरोड़ा मंच पर उनके साथ शामिल हुईं। दोनों ने एक-दूसरे को गले भी लगाया।

इस कार्यक्रम में गायिका निकिता गांधी और वाहजिर इन द हुड ने भी अपनी प्रस्तुति दी। एपी ढिल्लों, जो वर्तमान में अपने भारत दौरे पर हैं, ने इस साल सितंबर में अपने लाइव शो की घोषणा की। मुंबई के बाद, वे 14 दिसंबर को नई दिल्ली और 21 दिसंबर को चंडीगढ़ में लाइव परफॉर्म करते नजर आएंगे। मुंबई में एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में भूम पेडनेकर और मृणाल ठाकुर सहित कई बॉलीवुड सितारे शामिल हुए और उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर रात की

झलकियाँ भी साझा कीं। इंस्टाग्राम पर दिल नू हिटमेकर ने अपनी उत्तेजना साझा की-मैं वहाँ वापस जाने का इंतजार कर रहा हूँ जहाँ से यह सब शुरू हुआ था। उन प्रशंसकों के लिए जिन्होंने मुझे वह बनाया जो मैं हूँ। उस जगह पर जिसे मैं हमेशा अपना घर कहूँगा। इंडिया लेट्स गो! अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, ढिल्लों ने कहा, मैं अपने दौरे के लिए भारत लौटने को लेकर बेहद उत्साहित हूं।

भारतीय प्रशंसकों से मुझे जो प्यार और समर्थन मिला है, वह अत्यधिक है। मैं उनके साथ फिर से जुड़ने और द ब्राउनप्रिंट लाइव की ऊर्जा साझा करने का इंतजार नहीं कर सकता। 2021 में पहली बार भारत आने के बाद यह ढिल्लों का दूसरा भारत दौरा है। बता दें कि ढिल्लों के मुंबई कॉन्सर्ट की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं, हालांकि, एक वीडियो जिसमें मल्ला मंच पर गायक के साथ थिरक रही हैं, ने सबसे अधिक ध्यान आकर्षित किया।

शर्मिला टैगोर ने मनाया अपना 80वां जन्मदिन, करीना ने दी बधाई

मुंबई

मशहूर अभिनेत्री शर्मिला टैगोर 80 साल की हो गई। उन्होंने हाल ही में अपना जन्मदिन मनाया। शर्मिला को उनकी बहू और अभिनेत्री करीना कपूर खान ने कूल अंदाज में बधाई दी। सास-बहू और पोते के अनूठे पलों को दिखाती तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर कर करीना ने यूजर्स से एक सवाल पूछा है। लिखा है, ह्लबताएं अब तक का सबसे कूल गैंगस्टा (गैंग का सबसे कूल सदस्य) कौन है? क्या मुझे बताने की जरूरत है? मेरी सास को जन्मदिन की शुभकामनाएं। दिग्गज अभिनेत्री को सोशल मीडिया पर फिल्म जगत के तमाम सितारों के साथ प्रशंसकों ने भी बधाई दी।

करीना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर तीन तस्वीरें शेयर की। जिसमें से एक में अभिनेत्री सास के साथ मुस्कुराती दिख रही हैं। रैंडम क्लिक है जिसमें दोनों साथ में बैठी हैं। शर्मिला ने बालों में हेयर रोलर लगा रखा है। दूसरी शर्मिला की सोलो क्लिक है। उन्होंने पिंक गाउन पहना है। तीसरी तस्वीर में शर्मिला पोते जेह के साथ कैद हुई हैं। करीना की पोस्ट पर ननद सबा पटौदी ने कमेंट किया। उन्होंने लिखा, ह्लआपको जन्मदिन की बधाई मां।ह्न दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर ने 1964 में कश्मीर की कली फिल्म से डेब्यू किया था। शक्ति सामंत द्वारा निर्मित और निर्देशित फिल्म में शर्मिला के साथ मुख्य भूमिका में शम्मी कपूर, प्राण, मदन पुरी जैसे सितारे थे। शर्मिला उस दौर की बोल्ड एक्ट्रेस मानी जाती थीं। एन इवनिंग इन पेरिस फिल्म में स्विमसूट में दिखी थीं। इतना ही नहीं फिल्मफेयर मैगजीन के अगस्त 1966 अंक के लिए उन्होंने टू पीस बिकिनी पहनी थी। जिसे लेकर संसद तक में हंगामा मच गया था।

बता दें कि कश्मीर की कली के बाद अभिनेत्री गुलमोहर, एकलव्य, रानी सुहासिनी, फूल एन फाइनल, शुभ मुहूर्त, धड़कन, मन आशिक आवारा, हम तो चले परदेस, न्यू देहली टाइम्स, एक से बढ़कर एक, अमानुष, अनाड़ी, गृह प्रवेश, त्याग, एक महल हो सपनों का, चुपके चुपके, पाप और पुण्य,अमर प्रेम, छोटी बहू, सुहाना सफर, आराधना, सत्यकाम, अनुपमा जैसी सफल फिल्मों में काम किया।

विशेष सूचना

आज से समाचार पत्रा में वही संवाददाता वैध रहेंगे जिनके नाम प्रेस लाईन के ऊपर बने बॉक्स में दर्शायें गये हैं।

समाचार व विज्ञापनों के लिए सम्पर्क करें।

सारिका
डेक्स एडिटर
7500992656

नाथीराम कश्यप
विशेष संवाददाता, लक्सर
9411119095

शादाब अली
देहरादून
मो. 9897139325

शमशाद अहमद
Jhuggijhoparee@gmail.com

सभी राज्यों में, जिला, तहसील व ब्लॉक, स्तर पर प्रभारी व रिपोर्टर पद हेतू कार्य करने के इच्छुक युवक/युवतियां सम्पर्क करें।

अमित कुमार मंगोलिया
सम्पादक
प्रधन कार्यालय
मिशन नेशनल न्यूज, पुल जटवाड़ा, घास मण्डी, ज्वालापुर, हरिद्वार
मो. 9219141431
किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक अमित कुमार ने जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार ;उत्तराखण्ड से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः घास मण्डी, वाल्मीकि बस्ती, ज्वालापुर, हरिद्वार पिन 249407 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा सम्पादकः अमित कुमार